उत्तिष्ठित जागृत

चेतना संदेश

(तैलिक समाज दिग्दर्शक)

चेतना संदेश ❑ जून, 2018 अंक-17 त्रैमासिक पत्रिका

डा0 उमेश नन्दलाल शाहू
संरक्षक मण्डल

श्रीमती मानसी साहू
संरक्षक मण्डल

श्री मेवालाल साहू
संरक्षक मण्डल

श्री अरविन्द गांधी
संरक्षक मण्डल

श्री प्रावीण कारपोले गांडला तेली
संरक्षक मण्डल

श्री एस.गोकुल राज
संरक्षक मण्डल

श्री ललित राठौर
संरक्षक मण्डल

श्री जितेन्द्र माथुर
प्रधान सम्पादक

श्री रामशंकर तेली
सम्पादक

श्री शिवसागर साहू
सह-सम्पादक

श्री मनोज साहू, एडवोकेट
विधिक सलाहकार

श्री मोहन लाल गुप्ता
परामर्शदाता

श्री संगमलाल गुप्ता
परामर्शदाता

श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू
परामर्शदाता

समाज की दशा एवं दिशा का व्यवहारिक आँकलन
एवं मार्गदर्शक के रूप में रचनात्मक पहल।

E-mail : bhartiyatailikmahasabha@gmail.com
Website : www.tailik.org.

If undelivered please return to :
Shubham Theatre Building
Cantt. Road, Kaiserbagh, Lucknow-01
0522-2628182, 9451403835

संगम लाल गुप्ता

विधायक-248, सदर प्रतापगढ़(उ.प्र.)
सदस्य-लोक लेखा समिति, विधान पुस्तकालय समिति (उ.प्र.)
राष्ट्रीय सचिव अपना दल(एस), प्रभारी महाराष्ट्र

संस्थापक अध्यक्ष- संगम इण्टरनेशनल स्कूल, कटरा, प्रतापगढ।

प्रदेश अध्यक्ष- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उ0प्र0।

अध्यक्ष- माता शीतलादेवी पब्लिक ट्रस्ट, मुम्बई।

अध्यक्ष- संगम एजूकेशन सोसाइटी, मुम्बई।

संरक्षक- संगम यूथ फाउण्डेशन।

संरक्षक- राम प्रसाद गुप्ता इण्टर कालेज सिसवां खमपुर, इलाहाबाद।

व्यवसाय

(1) संगम ट्रेडर्स, प्रतापगढ़, उ.प्र.

(2) पेट्रोल पंप-राजाराम फिलिंग स्टेशन, प्रतापगढ़,उ.प्र.

(3) पेट्रोल पंप-ओम शांति फिलिंग स्टेशन, हड़िया, इलाहाबाद

(4) संगम सिटी इन्फ्राकोन डेव्हलपर्स प्रा.लि., मुम्बई

(5) हरिओम डेव्हलपर्स प्रा.लि., मुम्बई

(6) हरिओम बिल्डिर्स एण्ड डेव्हलपर्स प्रा.लि., मुम्बई

(7) पार्टनर, संगम सुपर मार्केट, फर्म, अंधेरी, मुम्बई

(8) पार्टनर, संगम सुपर बाजार, अंधेरी, मुम्बई

(9) मालिक-रोहित इन्टरप्राईजेज, अंधेरी, मुम्बई

(10) फिल्म प्रोड्यूसर- संगम फिल्म्स प्रा0लि0,मुम्बई

सम्पर्क

मोबाइल : 09821876739, 09323619169, 8887151048
ईमेल- sangamlal.248@gmail.com

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

द्वारा प्रकाशित पत्रिका

चेतना संदेश

मुख्य संरक्षक,संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष :

गांधी रामनरायन साहू (पूर्व सांसद)

मोबाइल– 09695130007

संरक्षक मण्डल :

डॉ0उमेश नंदलाल शाहू

नागपुर– # 09422114433

श्रीमती मानसी साहू, एडवोकेट (सुप्रीमकोर्ट)

दिल्ली– # 09868149873

मेवा लाल साहू

ग्वालियर– # 08959136930

अरविंद गांधी, एडवोकेट

बलिया, उ.प्र. – # 09415813210

प्रवीण कारपोले गाण्डला तेली

हैदराबाद – # 09390100002

एस.गोकुल राज

त्रिपुरा, तमिलनाडू– # 09344698098

ललित राठौर

रूद्रपुर, उत्तराखण्ड – # 09690455226

प्रधान सम्पादक :

जितेन्द्र माथुर

लखनऊ– # 09936241320

सम्पादक :

रमाशंकर तेली, एडवोकेट

लखनऊ– # 09451403835

सह–सम्पादक :

गांधी शिवसागर साहू

लखनऊ– # 09452572336

विधिक–सलाहकार :

मनोज साहू, एडवोकेट

लखनऊ– # 09450750386

परामर्शदाता समिति :

मोहनलाल गुप्ता

लखनऊ– # 09415576867

संगम लाल गुप्ता, विधायक

लखनऊ – # 08887151048

श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू

फतेहपुर,(उ.प्र.) – # 07309155011

प्राक्कथन

आज का काम कल पर न टालें

व्यक्ति में काम को टालने की एक बुरी आदत होती है। अपनी इसी आदत के कारण हम कभी-कभी अपने बनते हुये कामों को बिगाड़ बैठते हैं जिससे हमारी बड़ी हानि हो जाती है और कभी-कभी तो अपनी मंजिल तक पहुंचते-पहुंचते रह जाते हैं। जिन प्रश्नों का उत्तर हमें आज देना चाहिए इसे कल पर टाल देते हैं और कल, फिर कल। जो काम हमें आज करने हैं, वे कल भी उतने ही महत्व के रहेंगे यह कहा नहीं जा सकता है। जिस व्यक्ति में टालमटोल का यह रोग लग जाता है, वह अपने जीवन में अच्छा प्रभाव नहीं ला सकता है। टालने की आदत वाला मनुष्य परिस्थितियों का शिकार भी हो सकता है। यदि आप अपने कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से और उत्साहपूर्वक करते रहे तो कार्य का भार अधिक प्रतीत नहीं होगा।

अतः किये हुए कामों पर गर्व का अनुभव करिये। जो काम शेष है उन्हें करने में पीछे न रहिए। काम को बेगार समझकर और बे मन से न करें। आपके शरीर में स्फूर्ति और मन में ताजगी रहने पर ही ऐसा होना सम्भव है। अपने प्रति विश्वास और श्रृद्धा उत्पन्न करें।

-गांधी रामनरायन साहू

राष्ट्रीय अध्यक्ष/संस्थापक

प्रकाशक : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

कार्यालय :

शुभम थियेटर बिल्डिंग,कैण्ट रोड़, कैसरबाग लखनऊ–226001

फोन : 0522–2628182, वेब साईट : www.tailik.org.

ई–मेल : bhartiyatailikmahasabha@gmail.com

मुद्रक : एक्स्ट्रीम एडवारटाइजिंग, लखनऊ

फोन : 0522–4043571, मो. +919839075611

अंक- 17वाँ

सहयोग राशि : ₹ 25/-

अनुक्रमणिका

क्र.	लेख का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	'गीता' भारत की अमूल्य धरोहर......	3
2.	सम्पादक की कलम से ...	4
3.	भाषण राज्य सभा–रामनरायन साहू	5
4.	नजरिया बदलें	6
5.	प्रसन्नता का रहस्य...	7
6.	''समाजकार्य'' एक समर्पण ज़िंदगी का...	9–11
7.	महिलाओं के संवैधनिक अधिकार.....	13–15
9.	प्रसन्न, स्वस्थ व रोगमुक्त बने रहने के सूत्र......	15–19
10.	सोच पर निर्भर है –अमीरी–गरीबी ...	23
11.	उतार–चढ़ाव	25
12.	माई डियर ऑल तेली समाज.....	27–31
13.	समझदारी...	32
14.	वर्तमान परिवेश में सामाजिक उत्थान ...	33
15.	दुर्लभ ज्ञान की बातें...	34
16.	मनुष्य और समाज...	35
17.	जनहित...	36
18.	भारतीय नारी का आदर्श...	37–38
19.	अशांति का कारण धन नहीं मन है...	39
20.	चार आई...	40–41
21.	बड़प्पन की कसौटी...	42
22.	खेल–खेल में सीखें संस्कार...	43
23.	पेट की समस्याओं से न हों परेशान...	44
24.	मेरी यात्रा की पहली कड़ी.......	46
25.	उत्तराखण्ड का प्रान्तीय सम्मेलन...	47
26.	साहू राठौर भवन सहयोगी बन्धुओं के नाम	48–49
20.	सहयोगी सदस्यता स्वीकृति–पत्र..	50
21.	स्वाजातीय बन्धु सादर नमस्कार...	51
22.	समाचार पत्रों की सुर्खियाँ...	52

पत्रिका में विज्ञापन दर

रंगीन पृष्ठ- 2 रू. 8,000/-, रंगीन पृष्ठ- 3 रू. 6000/- रंगीन पृष्ठ 4 रू. 10000/-
रंगीन पृष्ठ पत्रिका के अन्दर फुल पृष्ठ -रू. 3000/- आधा पृष्ठ- रू. 1500/-
पूरा पृष्ठ ब्लैक एण्ड व्हाइट रू. 1,500/-, आधा पृष्ठ रू. 800/-

'गीता' भारत की अमूल्य धरोहर

हमारे जीवन का गीत व संगीत 'गीता' है। गीता ही वह ग्रंथ है जिससे प्रभावित होकर जर्मनी के दार्शनिक शोपेनहावर ने सड़क पर नाचते हुए कहा था कि उसने वह पा लिया जिसकी उसे जरूरत थी। गीता ही वह ग्रंथ है जिसको पाकर बिनोबा भावे ने कहा था कि-'गाय के दूध पर वे इतना नहीं पले जितना 'गीता' के दूध पर।' गीता के लिए महात्मा गांधी ने कहा, 'गीता एक मां है। जब भी मैं उदास हुआ, परेशान हुआ, और मुझे आवश्यकता पड़ी कि मां की गोद में बैठ करके दुलार पाऊं और अपने लिये रास्ता ढूंढू तो मैंने किसी और मां की शरण में जाने की कोशिश नहीं की। गीता मां की शरण में जाकर बैठा और इस मां ने मुझे कभी निराश नहीं किया।'

गीता ही वह ग्रंथ है जिसके बारे में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने कहा था-जब मैं इस गंथ को अपने सम्मुख देखता हूँ तो 'मेरे प्राणों में नई संजीवनी जाग जाती है।' आज भी हमारे देश में कोर्ट कचहरी में खड़ा होकर जब व्यक्ति शपथ ग्रहण करता है तो गीता पर हाथ रखकर कहता है, 'जो कहूंगा सच कहूंगा और सच के सिवा कुछ भी नहीं कहूंगा।' कसम खाने के लिए हमारे पास यदि कोई ग्रंथ है तो वह गीता है। अगर इस शरीर का अन्त हो रहा हो तो मरणासन्न को गति प्रदान करने के लिए जिन श्लोकों का पाठ किया जाता है वह श्लोक केवल गीता के ही हो सकते हैं। यही तो वह ग्रंथ की शिक्षाओं को आधार मानकर धर्म की स्थापना करने के लिए कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि में अर्जुन अपने रथ पर चढ़ा था। इसी ग्रंथ की सहायता से हम विषाद से प्रसाद की ओर जा सकते हैं। गीता ही वह ग्रंथ है जिसके बल पर हम मृत्यु से अमरता की ओर चलते हैं। जिसकी प्रेरणा से कायरों को वीरता की शक्ति मिलती है, जो हमें संघर्षों में जीना सिखाता है पलायन सिखाता है पलायन से दूर हटाता है।

सारे संसार में गीता के समान कोई ग्रंथ नहीं है, जैसे कि गंगा के समान कोई जल नहीं। गीता एक शक्ति है। इसका श्रवण भी बहुत सौभाग्यशाली लोगों को मिलता है। क्योंकि गीता में स्वयं परमात्मा की वाणी व्यक्त हुई है और जिसे भगवान की वाणी सुनने का अवसर मिल जाए वह बड़ा भाग्यशाली है। महाराजश्री कहते हैं कि जब कभी मैं बहुत भाव में आकर किसी श्लोक पर चिन्तन करने लगता हूं तो अनुभूति होती है कि हरिकथा अनन्ता। परमात्मा का ज्ञान अनन्त है। उसके कथन में इंसान की शक्ति समाप्त हो सकती है, पर प्रभु के ज्ञान की महिमा का अंत नहीं है।

विज्ञान कहता है कि जीवन में रूपान्तरण घटित होना चाहिये। ज्ञान जब तक जीवन मे क्रांति नहीं लाता तब तक ज्ञान को ज्ञान नहीं माना जाना चाहिए।

गीता के हर अध्याय के साथ आप एक शब्द जुड़ा पाते हैं 'योग'। गीता प्रारम्भ होती है 'विषाद योग' से। अब यह जो विषाद से प्रसाद की ओर की यात्रा है, इसमें माध्यम बनता है 'योग'। भगवान श्रीकृष्ण ने बताया है कि 'समत्वं योग उच्चते' अर्थात दृष्टि में समत्व आ जाय, बस इसी का नाम योग है। समत्व का अर्थ है सबमें समदृष्टि रखना। अपने पराये का भेद छोड़कर प्रेमभाव से संसार में व्यवहार करना। इसका दूसरा मतलब होगा संतुलन बना करके संसार में जीना। अपने मन को संतुलित रखना। अपने मन और मस्तिष्क के संतुलन को बिगड़ने न देना।

यह देश योगियों, ऋषियों का देश कहलाता है, क्योंकि यहाँ पर योग की शिक्षा दी गई। संतुलन की शिक्षा दी गई। यहाँ जिन्दगी से भागना नहीं सिखाया गया। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने उपदेशों में यही कहा है कि जीवन से भागना नहीं सीखो जीवन से जागना सीखो। संसार में बसना सीखो, फंसना नहीं। बसना ठीक है, फंसना ठीक नहीं है। अनासक्त होकर जीना जीवन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हो सकती है। कर्म आप पर बोझ नहीं बनना चाहिए। कर्म और कर्तव्य को बोझ मत मानो। 'गीता' में लिखित 'कर्मयोग' के अनुसार जीओ तो आपका जीवन 'गीत' बन जायेगा क्योंकि जीवन का संगीत 'गीता' है।

-जितेन्द्र माथुर
प्रधान सम्पादक

उन पर भरोसा मत करों जिसका ख्याल वक्त के साथ बदल जाये।

सम्पादक की कलम से......................

प्रिय भाईयों एवं बहनों,

जीवित व्यक्ति वैचारिक रूप से स्पंदित होते हैं उनमें चेतना के लक्षण होते है। आत्मश्लाघा, आत्म प्रवंचना की जगह उनमें आत्म-लोचना की प्रवत्ति होती है, भूत की बजाय वर्तमान भविष्य पर निगाहें रहती हैं। चूंकि यह सब हमारे समाज में नहीं है। इसलिए यह एक सोता हुआ समाज है। थोडा और साफ-साफ शब्दों में कहें तो यह एक .... है।

इसलिए इस समाज की दशा और दिशा दूसरे लोग अपने मुर्हुत के हिसाब से तय करते हैं। तैलिक समाज उस मुहर्त में अपना शंखनाद करता है जरा याद करें 1994 का (दो अक्टूबर) जब समाज की एतिहासिक रैली का आयोजन। पहली बारसमाज थोड़ी मात्रा में ही सही अपने हक-हकूक के लिए लामबन्द हुआ। एक समुदाय के रूप में हम एक है। हमारी सामाजिक समस्यायें एक है और हम एक होकर अपनी लडाई लड़ सकते हैं। यह एहसास पहली बार कौधां। राजनीतिज्ञ पार्टियों के कान चौकन्ना हुए। हमारे समाज के लोगों कों संगठनों में पद, विधान सभा में टिकट मिले। अहम समाज का सबसे बड़ा दुर्गुण है। समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए कभी भी आगे नहीं आता न लाठियां खाता है। न धरना, प्रदर्शन, आन्दोलन में शामिल होता है। वह संगठनों से जब्त नहीं कर पाता है। यहीं उनकी कुर्बानी सेवा भाव की कुर्बानी डूब जाती है। समाज के साथ दूसरी समस्या है अपने ही भाई, अपने ही समाज के संगठन को धोबी पाट देने में अपनी ऊर्जा जाया करता है। सब जगह जितना सहयोग कर सकता है करेगा। लेकिन अपने मामले में दूसरे का चेहरा ताकता है। समाज का बौद्धिक तबका वह अपने पिछडे भाइयों का सहयोग करने में कंजूसी करता है। फलता यह वर्ग कभी इस खेमें कभी उस खेमे में रहता है। शेष अपने -अपने फायदे के घाटे के अनुसार अपना खेमा तय करती है।

हमारे समाज में नौजवानों को कायर बनाने का काम हमारे अपने बुजर्गो ने किया है। खैनी बीड़ी, (धुम्रपान कर) खाँसते हुए इन्होने बचपन में ही दिमाग को कड़ीसन्ड कर दिया कि अमीरी गरीबी, वर्णव्यवस्था सबकुछ पूर्व जन्मों का फल है। इसलिए हमारा नौजवान आज भी पूर्व जन्म का भार ढो रहा है। हमारे बुजर्ग सवर्ण बुजुर्गो की तरह कभी प्रचारक की भूमिका में नहीं आते। उन्हें हमेशा रामनाम जपते हुए ऊपर चलने की तैयारी रहती है यह हमारे पूर्वजो की देन है पुरूस्कारों में आयोजन समिति में या किसी अन्य राष्ट्रीय पुरूस्कार में समाज का एक भी व्यक्ति का नाम नहीं आता था। लेकिन अब हालात बदल रहे है समाज की प्रतिभाएं घर की चारदिवारी लाँघकर यस भारती, शिक्षक सम्मान आदि मेडल लाकर परिवार के साथ-साथ समाज को भी गौरवान्वित कर रहें है।

हमारे समाज के पास यदि धन होगा तो उसका उपयोग वह डेयरी उद्योग, ट्रेवल्स एजेन्सी, फार्म हाउस खोलेगा। कुआँ, मन्दिर का निर्माण करेगा, स्कूल कालेज नहीं खोलेगा। किसी मीडिया नेटवर्क की बात सोची भी नहीं जा सकती। इसलिए शिक्षा और मीडिया से वंचित रह जाता है।

आज सामाजिक चेतना के लिए अनेको पत्रिकाए कई वर्षो से निकल रही है किसी पत्रिका की प्रसार संख्या ने एक वर्ष में एक हजार संख्या पार नहीं कर रही है। 13 करोड़ आबादी के समाज में यह सोचने की बात है हमारा नौजवान प्रतिदिन 10 रूपए का गुटखा खा लेगा। इस प्रकार एक वर्ष में वह 3600 रूपये का गुटखा खा लेगा लेकिन सामाजिक पत्रिका 100 या दो सौ रूपए वार्षिक शुल्क पत्रिका के लिए नहीं जमा कर सकता।

सामाजिक परिवर्तन और न्याय तथा अधिकारों के लिए यह समाज सबसे अधिक अपने बाहुबल पर भरोसा करता है पर उसे यह ध्यान नहीं है कि भुजाओं के ताकत के बल पर हार जीत के सवाल केवल रणभूमि में निपटाए जाते थे और रणभूमि का अध्याय कम से कम 1947 के बाद बन्द हो चला है। पर हमारा समाज 1947 के पूर्व के दौर मे ही जी रहा है। जिन लोगों ने सामाजिक एकता को मन्त्र को रूप माना। उसका गुरूमन्त्र है राजा रानी के पेट से नहीं बैलेटबाक्स से निकलता है।

पिछड़े समाज के इस वैचारिक दीवालियापन की सटीक व्याख्या किसी ने की थी उनके अनुसार पिछड़ापन किसी जाति का नहीं बल्कि एक सोच का नाम है। जिस दिन इनकी सोच से पिछडापन हट जाएगा, उसी दिन यह समाज अग्रिम पक्ंति में आ जाएगा भाइयों बहिनों समाज के इस वैचारिक दिवालियापन पर आइए आप भी हमारे साथ सोचने का कष्ट करें।

-सम्पादक

भरोसा उन पर करो जिसका ख्याल तब भी वैसा रहें जब आपका वक्त बदल जाए।

राम नरायन साहू भाषण (राज्य सभा)

श्री राम नरायन साहू का दिनांक 12-03-2007 को राज्य सभा मे दिया गया अभिभाषण

श्री राम नारायण साहू (उत्त्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, पहले तो मैं माननीय वित्त मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने ''नरेगा'' के लिए और पैसा उपलब्ध कराया है, लेकिन उसकी monitoring भी सही ढंग से होनी चाहिए और जिस हिसाब से पैसा दिया गया है, उस हिसाब से लोगों के लिए काम भी निकाला जाना चाहिए। शिकायत यह है कि बहुत से लोगों को काम नहीं मिल रहा है और पूरे ढंग से काम नहीं हो रहा है। इसलिए मैं चाहूंगा कि उस रूपए का सही उपयोग हो और भारत की गरीब जनता को पूरा-पूरा काम मिले जिससे कि देश का विकास हो।

सर, दूसरी बात यह कहना चाहूंगा कि इस बजट में नक्सलवाद को खत्म करने के लिए कहीं कोई बात नहीं कही गयी है। यह एक बहुत पुरानी बीमारी है, जो कि 13-14 राज्यों में फैली हुई है और आए दिन लोगों की जान जाने की घटनाएं हुआ करती हैं, लेकिन इस बारे में सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है। इसकी रोकथाम पर गवर्नमेंट का रूपया भी बहुत खर्च होता है, लेकिन सरकार इस विषय में गंभीरतापूर्वक ध्यान नहीं दे रही है। इसलिए मेरा आप के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस समस्या की ओर विशेष ध्यान दे। महोदय, इस का एक कारण यह भी है कि हमारे यहां इन राज्यों में गरीबी भी बहुत है। अगर गरीबी और अमीरी की खाई को पाटा नहीं गया तो यह नक्सलवाद दूसरे राज्यों में भी फैलता जाएगा।

महोदय, अभी एक पिक्चर Slum Dog Millionaire आई थी। उसके अंदर भारत की स्थिति दिखायी गयी है कि भारत कैसा है। तो एक तो वह स्थिति दिखायी गयी है और दूसरी तरफ एक आदमी एक हजार करोड़ रूपए की लागत से मकान बनाने जा रहा है, जिस में वह रहेगा। तो भाई, यह महात्मा गांधी का कैसा राम राज्य है। सर, कायदे से तो इस पिक्चर को सेंसर बोर्ड की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए थी, क्योंकि उससे भारत को कोई उपलब्धि नहीं मिलती। (2 एन/डीएस पर क्रमशः)

श्री राम नारायण साहू (क्रमागत): उससे बदनामी ही मिली है। इस खाई को पाटना चाहिए। अगर इस खाई को नहीं पाटा जाएगा तो नक्सलवाद बढ़ेगा। हम जो विकास के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहते हैं, उसमें यह नक्सलवाद बीच-बीच में रुकावट डालेगा और हम आगे नहीं बढ़ पाएंगे। इसके ऊपर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

उपसभापति जी, तीसरी बात मैं यह कहना चाहूँगा कि भारत के अंदर जो व्यापारी वर्ग है, उसमें 70-75 परसेंट फुटकर व्यापारी हैं। आज उसका सारा बिजनेस बिल्कुल खत्म हो गया है। उसका सारा बिजनेस बड़े-बड़े मॉल्स में चला गया है। आज चाहे आप कनॉट प्लेस देख लीजिए या लखनऊ का हजरतगंज देख लीजिए, पूरे कनॉट प्लेस और हजरतगंज में शोरूम्स के अंदर सन्नाटा छाया रहता है। इस तरह की पॉलिसी जो सरकार की तरफ से बनाई गई है, उससे आज फुटकर दुकानदारों की वही हालत होने जा रही है, जो हालत किसानों की हुई है। इसके ऊपर सरकार को कोई ठोस कदम उठाना चाहिए। एक तरफ बड़े-बड़े मॉल्स बनाये जा रहे हैं और दूसरी तरफ फुटकर दुकानदारों के ऊपर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी वजह से नक्सलवाद फैलता जा रहा है तीसरी बात ....

-क्रमशः अगले अंक में

जीत और हार आपकी सोच पर निर्भर है। मानलो तो हार मान लो तो जीत।

नजरिया बदलें

किसी अप्रिय घटना के बाद हम देर तक परेशान रहते हैं और बदला लेने की तैयारी में जुट जाते है। इस दौरान अधिकांश नकारात्मक विचार आते है। एक बेस्ट सेलर किताब के लेखक बेन डायर का कहना है कि जीवन में ज्यादातर दरारें स्थिति को आत्मसात न करने के कारण पड़ती है। लोगों को पानी की तरह पारदर्शी और प्रत्येक स्थिति में ढल जाने की प्रवृत्ति रखनी चाहिए। रुका हुआ पानी गंदा हो जाता है, उसी तरह किसी कड़वे अनुभव का प्रभाव देर तक मन में रहकर वर्तमान को दुखद बना देता है। जरूरी है कही पर माफ कर दें और कहीं पर माफी मांग लें। यह तो सत्य है कि दुख देने वाले को माफ करना मुश्किल है, प्रतिशोध की भावना रह-रह कर उमड़ती है, पर जीवन के सकारात्मक पहलुओं से अच्छे परिवर्तन पर ध्यान देना चाहिए। सबके साथ मिलकर चलना नई संभावनाओं को जन्म देता है जो आत्मकेंद्रित न होकर वसुधैयो कुटुंबकम की तरफ ले जाता है और सच तो यह भी है कि प्यार के बदले प्यार मिलता है।

ब्रिटिश लेखक लाउज ने भी कहा है कि किसी अप्रिय घटना का प्रत्युत्तर दयालुता से देने का खतरा हम उठा लें तो कड़वाहट तत्क्षण खत्म हो जाती है। हानि पहुंचाने वाले सभी विचारों से खुद को दूर कर देखें तो हम शत्रु भाव से भी मुक्त हो जाएंगे। यदि लगता है कि चीजें सिर्फ हमें दुखी करने के लिए की जा रही हैं तो भी उसे व्यक्तिगत न मान कर छोड़ देना चाहिए। व्यक्ति और स्थितियां बदलती रहती है। नकारात्मक लोगों को अपने अनुकूल बनाना मुश्किल है, पर उन तक पहुंचना आसान है जो हमारे अनुकूल हैं। अगर कभी लगे कि दुनिया में सब लोग बुरे और प्रतिकूल विचारों वाले ही मिल रहे हैं तो एक बार अपने अंदर भी झांक कर देख लेना चाहिए। हो सकता है अपना ही व्यवहार ऐसा हो जो सबको दुखी कर रहा हो। सबके साथ सम्मान पेश आना चाहिए। हमें स्वयं पर दूसरों के प्रभाव को देखने का तरीका बदलना होगा, तब कई अच्छे पक्ष सामने आएंगे। दूसरों की सोच बदलने की कोशिश से अच्छा है, अपनी ही सोच को परिष्कृत किया जाए। लोगों को समझने का दायरा बढ़ाना होगा। इससे कोई मतभेद हुए बगैर विभिन्न स्वभाव वाले लोगों के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सुविधा होगी।

डा0 उमेश नन्दलाल शाहू
राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष
नागपुर, महाराष्ट्र
मो0 9422114433

किसी की दिल में रहो या किसी की दुवाओ में।

प्रतिभा सम्मान समारोह में उपस्थित श्री राम नरायन साहू पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री राम औतार साहू राष्ट्रीय संगठन मंत्री, श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू महिला प्रदेश अध्यक्ष, श्री धीरज साहू आई.ए.एस., श्री सुरेश कुमार आई.ए.एस., श्री अरूण कुमार गुप्ता विशेष न्यायाधीश, श्री लल्लन कुमार कमिश्नर जीएसटी, श्री संगमलाल गुप्ता माननीय विधायक।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

उत्तिष्ठित जागृत

सभी स्वजातिय बन्धुओं को पत्रिका के माध्यम से हार्दिक शुभकामनाएँ।

ओमप्रकाश गुप्ता

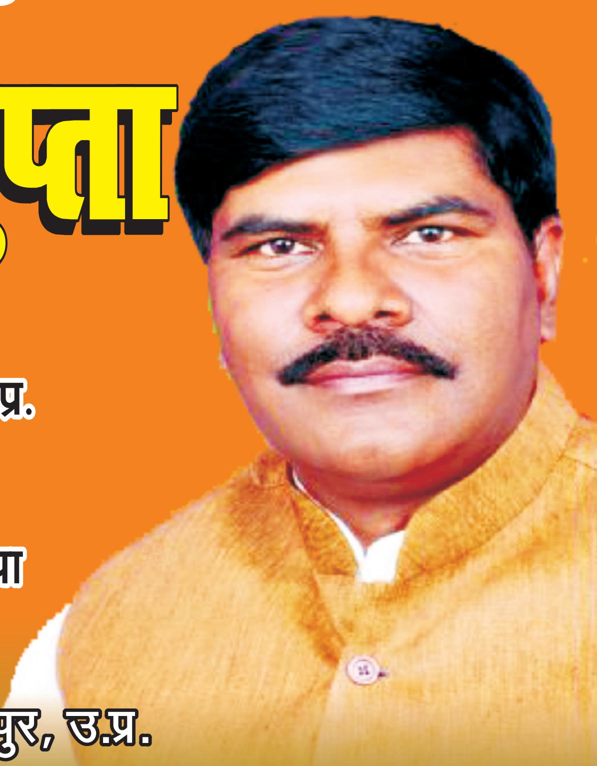

प्रदेश महामंत्री

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उ.प्र.

प्रभारी

नगर पंचायत जंगीपुर, गाज़ीपुर, भाजपा

निवास

ग्राम– नेवादा, पोस्ट–दुबिहां, जिला– गाजीपुर, उ.प्र.

कार्यालय

शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड कैसरबाग,
लखनऊ–01 फोन : 0522–2628182

मो0 9453086453, 9648757888

प्रसन्नता का रहस्य

प्रसन्नता मनुष्य के सौभाग्य का चिन्ह है। कहते है जो व्यक्ति हर समय प्रसन्नचित रहता है उसके ऊपर परमात्मा की विशेष कृपा रहती है। एक प्रसन्नचित मुख भी दूसरी आत्माओं को प्रसन्नता की अनुभूति कराता है। प्रसन्नता एक आध्यात्मिक वृत्ति है, एक दैवीय चेतना है। सत्य तो यह है कि प्रमुदित मन वाले व्यक्ति के पास लोग अपना दुख-दर्द भूल जाते है। देवदूत कोई और नहीं, मुदितात्मा वाले ही व्यक्ति होते है, जो अपने मुखमंडल की आभा द्वारा संताप करते रहते है।

जो बाहर से गरीब है, अभावग्रस्त है यदि वह आनंदित है तो वह सुखी रहेगा। कोई भी असुविधा उसे दुखी नहीं कर सकती। जीवन में कुछ न होने पर भी यदि किसी का मन आनंदित है तो वह सबसे संपन्न मनुष्य है। आंतरिक प्रसन्नता के लिए किन्हीं बाहरी साधनों की आवश्यकता नहीं होती। बड़े-बड़े राजा-महाराजा, सेठ-साहूकारों के समीप सुख-सुविधाओं के प्रचुर साधन होते हुए भी वे दुखी रहते हैं, क्योंकि प्रसन्नचित्त व्यक्ति एक झोपड़ी में भी सुखी रह सकता है और चर्चित व्यक्ति राजमहल में भी दुखी। प्रसन्न मन ही अपनी आत्मा को देख सकता है, पहचान सकता है एवं उस परमात्मा का साक्षात्कार कर सकता है। अब आप सोचेंगे भला प्रसन्नचित्त व्यक्ति ईश्वर के समीप कैसे हो सकता है?सत्य तो यह है कि विकारों से जितना दूर रहेगा, वह उतना ही प्रसन्नचित्त रहेगा। काम, क्रोध, लोभ, मोह, छल-कपट उससे बहुत दूर होगे। शुद्ध हृदय वाली आत्मा सदैव ईश्वर के समीप रह सकती है। हर कोई चाहता है कि उसका भविष्य उज्जवल बने, सदा प्रसन्नता उसके जीवन में हो। वह परिस्थितियों का वह दास न हो। परंतु यह संभव करने का प्रयत्न करना छोड़ उसने तो यह मान लिया कि यह तो असंभव है। ऐसा हो ही नहीं सकता। इच्छा की पूर्ति तनिक भी असंभव नहीं है यदि हम अपने विचारों पर नियंत्रण करना सीख लें एवं कुविचारों को हटाना। सद्विचारों में एक आकर्षण शक्ति होती है जो सदैव हमें प्रसन्न ही नहीं, बल्कि परिस्थितियों को भी हमारी दास बना देती है।

मेवालाल साहू
अतिरिक्त महामंत्री
ग्वालियर,मध्य प्रदेश
मो0 8959136930

एक विचार

हमारे सभी बुद्धिजीवियों को मिल-बैठकर अब यह विचार करना ही होगा कि हमारा अंतिम लक्ष्य क्या है-विकास अथवा बिखराव। एकाकी रूप में स्वयं समुद्व होने और शेष सारे स्वाजातियों को पीछे छोड़ देने की कल्पना शेखचिल्ली के समान ही कही जाएगी। यह मानकर चलना ही होगा कि हम इस समाज में अकेले नहीं, सब एक साथ रहें। क्योंकि वर्तमान भारत में आपकी अभी पहचान सामाजिक तौर पर जाति के साथ जोड़ी जाती है।

-प्रांतीय अध्यक्ष

कामता प्रसाद कोल्ड स्टोरेज प्रा. लि.
हरदासपुर खुर्द, दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर : फोन : **05495-233978**

नीलकण्ठ फिलिंग स्टेशन
दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर, फोन : **05495-233878**

नीलाम्बर पेट्रोलियम
मेह नगर, आजमगढ़

नीलकण्ठ एग्रो इन्डस्ट्रीज
हरदासपुर खुर्द, जलालाबाद, गाजीपुर, फोन : **05495-233978**

नीलकण्ठ एच.पी. ग्रामीण गैस वितरक
जलालाबाद, गाजीपुर, फोन : **05495-233678**

महा कालेश्वर फिलिंग स्टेशन
शंकरपुर, ओड़राई-गाजीपुर

नीलकण्ठ कम्प्यूटर धर्मकांटा
हरदासपुर खुर्द, जलालाबाद, गाजीपुर

महा कालेश्वर एग्रो इण्डस्ट्रीज
हरदासपुर खुर्द, दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर : फोन : **05495-233778**

जै किशन साहू

पूर्व उपाध्यक्ष- खादी ग्रामोद्योग बोर्ड (उत्तर प्रदेश सरकार)।

राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य : समाजवादी पार्टी उ0प्र0।

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैण्ट रोड़ कैसरबाग, लखनऊ।

सम्पर्क : 0522-2628182 (कार्यालय) : 0522-4004192 (फैक्स)

निवास : ग्राम व पोस्ट - जलालाबाद, जनपद-गाजीपुर-275202

मोबाइल : 9415241047, 9451177436, 9670628496

''समाजकार्य'' एक समर्पण ज़िंदगी का।

माननीय समाज बंधुओं हमेशा ही हम सुनते है कि अमुक व्यक्ति कहता है कि मैं 25-30 वर्षो से समाज कार्य कर रहा हूँ। मैने यह-यह कार्य किये है, मैने इस कार्य की शुरूवात की है। सुननेवाला ज्यादातर समाजबंधु उसके कार्यो की, उसके बातो को महत्व नहीं देते बल्कि उसका उपहास उड़ाने में एक पल भी नहीं लगाते। उसे हसीं का पात्र बना देते है चाहे उस व्यक्ति ने अपने जीवन का अमूल्य समय समाज के कार्यो में, विकास में, समर्पण किया हो यानी ज़िन्दगी का ऐसा अति महत्वपूर्ण हिस्सा परकार्य (परमार्थ) में, निस्वार्थ भाव से लगाया हो। अपने घर-परिवार, व्यापार से समय निकालकर परहित कार्य करना बहुत बड़ा और महान कार्य है। मैं ऐसे सभी समाजबंधुओं को सादर नमन कर साधुवाद देता हूँ।

बंधुओं, समाजिक कार्यकर्ता एक सैनिक की तरह होता है। बॉर्डर पर लड़ाई असंख्य सैनिक लड़ते हैं लेकिन नाम, यश, उनके कमांडर का होता है। उसी तरह हमारे समाज में भी अनेक कार्यकर्तागण अपने-अपने स्तर पर अपना सबकुछ समर्पित करते है। उनकी ओर भी हमे ध्यान देना चाहिये। उनके समर्पण को भी प्रणाम करना चाहिए। मैं ऐसे सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं, दानदाताओं को नमन करता हूँ। जिनके योगदान के बगैर किसी भी संस्था का, समिति का, महासभा का, कार्य नहीं हो सकता है। मैं उन सभी महानुभावों को धन्यवाद देना चाहता हूँ जो समाजकार्य की सर्वांगीण प्रगति के लिये अपना जीवन न्यौछावर कर रहे है।

भविष्य युवा वर्ग के कंधों पर है। युवक ही समाज की नींव है। जिस इमारत, समाज, की नींव कमजोर हो उसका निर्माण व पोषण व्यर्थ है। इसलिये नींव को मजबूत करने के लिए अभी वक्त सोने का नहीं है। जागो और इस इमारत के नव निर्माण में सहयोगी बनकर हाथ बढ़ाओं। समाज के लिए जब हमारे उपवन के फूल ही हमें प्राप्त नहीं तो, दूसरे के उपवन की आशा व्यर्थ है। क्यों नहीं उन्हीं पौधों को पोषण तत्व दे ताकि फले फूले और हमारा उपवन हरा भरा हो। तो स्वतः ही हमारा समाज जाग्रत व प्रकाशमय होगा। मगर आज की युवा पीढ़ी जिस मोड़ पर खड़ी है। आज की वर्तमान परिस्थितियां समाज के प्रत्येक युवक को पुकार रही है हम सिर्फ भाषणबाजी की कलाओं व टांग खिचाई में लगे रहे तो, समय के साथ चलने की गति से पीछे रह जायेंगे। इसके लिए हमें समाज के लिए क्या करना उपेक्षित होगा। यह विचार करना आवश्यक है। युवा भविष्य के उज्जवल कल के लिए बदलते इस मूल्यवान समय को युवा पीढ़ी के लिए हितकर करना समाज के बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों, उद्योगपतियों को आगे आकर तन मन से समाज के युवा भविष्य हेतु खुलकर सहयोग प्रदान करना चाहिए।

मैं समाज के युवाओं को संदेश देना चाहता हूँ कि दोस्तों अब कुछ कर गुजरने का वक्त आ गया है।

पैसे में परमेश्वर देखना परमेश्वर को भूलने जैसा है।

मा0 तै0 साहू राठौर जिन्दाबाद।
राम नरायन साहू जिन्दाबाद !

महात्मा गांधी अमर रहें !
साहू समाज जिन्दाबाद !

अरविन्द गांधी (एडवोकेट)

सपा नेता

राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

प्रदेश संयोजक- भारतीय वैश्य चेतना महासभा, उ0प्र0

प्रदेश उपाध्यक्ष

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल उ.प्र.

प्रदेश संयोजक

जन सेवा केन्द्र एसोसिएशन, उ0प्र0

पूर्व सांसद प्रतिनिधि :

मा0 राम नरायन साहू जी

(पूर्व राज्यसभा सदस्य)

सदस्य : जिला उद्योग/व्यापार बन्धु बलिया

सदस्य : जिला पशुक्रूरता निवारण समिति, बलिया

सदस्य संरक्षक मण्डल : (चेतना संदेश, पत्रिका)

मो0 : 9415813210, 7524827700

कार्यालय : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ

E-mail : gandhiballia@gmail.com
E-mail: bhartiyatailikmahasabha@gmail.com
facebook : Arvind Gandhi, ballia

हमारे व समाज के उज्जवल कल हेतु आज ही प्रज्वलित होना होगा। समाज का हर व्यक्ति अपने परिवार का सदस्य है इसलिये उसके सुख-दुःख में भागीदार बनना और उसे उचित मान सम्मान देना हमारा कर्तव्य है। सर्वप्रथम हम किसी का भला नहीं कर सकते तो उसका बुरा भी मत करों। यदि कोई इंसान किसी प्रकार की राय लेने आये तो सीधी और सच्ची राय दें। तकलीफ में परेशानी में शिष्टाचार को हाथ से मत जाने दे और हम अपने भविष्य को अधिक उज्जवल और लक्ष्योन्मुखी बना सकते है। इसकी दवा सिर्फ एक है। हम अपने मूल अधिकारों को समझें एवं भातृत्व प्रेम को बढ़ाएं तो वो दिन दूर नहीं जब विकसित व समृद्ध आदर्श समाज का निर्माण किया जा सकता है। हम सभी युवा मिलकर एकजुट होकर ऐसा दीप प्रज्जवलित करें कि जिसकी रोशनी में पूरा समाज प्रकाशमय हो। ऐसे समाज के लिए शुभकामना करता हूँ। अपनी युवा शक्ति की ऊर्जा राष्ट्रीय हित में लगाने की जरूरत है। अतः हमें किसी भी तरह इन बिखरी लताओं को वृक्ष का रूप देना है जिसकी घनी छाया में हम फूलें फलें। जो व्यक्ति कांटो की चुभन से घबरा कर, पीछे हटता है। फूलों की सौरभ नहीं पा सकता।

आपका हितकर
सुनीलभाई साहू
राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष
अमरावती (महाराष्ट्र)
मो0 - 9422855155

महिमा जल की

प्राचीन काल से ही भारत में जल का महत्व हमारे पूर्वजों ने सीख लिया था। तभी विश्व में जितने भी नगर बसे वह सब नदियों के किनारे ही बसे आने वाली पीढ़ी के लिये उन्होने पानी के पास ठौर-ठिकाना बनाने और उसे बूंद-बूंद सहजने की कला के रूप में ताल, तलैया, नालो, तालाबो आदि का निर्माण किया परन्तु उसका जल इकठ्ठा करने की संस्कृति को आज हम तिलांजलि दे रहे हैं। अगर हम नहीं चेते तो हम जल के अकाल के भयावह मुँह में चले जायेगें। अतः आज से ही पानी बचाने को कमर कस लें, तभी मानव जीवन सुरक्षित रह पायेगा।
भारत के माननीय उच्च न्यायालय ने भी राज्य सरकारों को आदेश दिया कि सभी अपने-अपने राज्यों में जल संचयन का समुचित प्रबन्ध करें। जैसा कि भारत के संविधान की धारा 51 (क) में वर्णित है कि प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है कि जल व पर्यावरण को संरक्षण प्रदान करें एवं नष्ट होने से बचायें।
देश हित में हम सभी जल संचयन की विभिन्न विधाओ को अपना कर जैसे-तालाबों का निर्माण, शहर में वर्षा के जल को इकठ्ठा करने का प्रबन्ध, बरसाती पानी भूमि के अन्दर प्रवेश कर जाये। सवेज पानी का पुनः शुद्धिकरण आदि अन्य कई तरीके अपनाकर एवं स्वयं मुख्य रूप से हम नागरिक भी पूरी नैतिकता के साथ जल की बर्बादी रोके।
वास्तव में सत्य है कि - जल है तो कल, नहीं कल अगर नहीं जल!

सन्तोष कुमार साहू
संयुक्त आयुक्त वाणिज्य कर

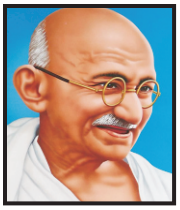

समाज के सभी स्वाजातियएँ बन्धुओं को
की हार्दिक शुभकामनाएँ।।

सुनील साहू

नरेश साहू

जिला अध्यक्ष -

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, कानपुर (उ.प्र.)

महामन्त्री -

मॉकर्माबाई जन कल्याण समिति (उ.प्र.)

प्रबन्धक-

आर्यावत इण्टर कालेज इटौरा, कानपुर (नगर)

प्रबन्धक-

महात्मा गाँधी एजूकेशन सेन्टर चवर, घाटमपुर, कानपुर
महात्मा गाँधी इण्टर कालेज, चवर, घाटमपुर, कानपुर

प्रबन्धक-

महात्मा गाँधी शिक्षा निकेतन, हलिया,मुसा नगर, कानपुर

निवास -
7 एल.आई.जी. हेमन्त बिहार बर्रा-2, कानपुर-27
सेक्टर वार्डन
नागरिक सुरक्षा कोर (उ.प्र.)
मोबाइल- 9451009341, 9195509341

महिलाओं के संवैधानिक अधिकार

किसी भी देश की तरक्की तब तक सम्भव नही मानी जा सकती, जब तक कि इस देश की महिलायें कंधे से कंधा मिलाकर न चले। स्त्री एवं पुरूष दोनों की ही सृष्टि के सृजन एवं मानवीय सभ्यता के विकास में सृजनात्मक भूमिका रही है।

आज हमारे देश को एक अर्द्ध विकसित देश का दर्जा दिया जा रहा है। पूरे विश्व में भारत की प्रसिद्ध उसकी सभ्यता एवं संस्कृति की वजह से भी मिली है। देश में आजकल नारी के उत्थान की बात एक चर्चा का विषय बनी हुई है, परन्तु इस सेवा की भावी पीढ़ी जिसके गर्भ से जन्म लेती है, उसी स्त्री को सही मायनों में उसे संबैधानिक अधिकारों की जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से नहीं है। यही कारण है कि महिला विकास यात्रा संक्रमण से गुजर रही है जिसमें सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ही तत्वों का समन्वय है।

प्रत्येक व्यक्ति जन्म से ही कुछ मूल अधिकारों के साथ इस धरती पर आता है। ये अधिकार उसके जन्म से लेकर मरण तक उसके साथ रहते हैं। जीवन जीने की स्वतंत्रता, समता का अधिकार, शोषण के विरूद्ध अधिकार इत्यादि प्रत्येक अधिकार होने के बावजूद उन्हें कई बार भेदभाव का सामना करना पड़ता है तथा कई बार अधिकारों के प्रयोग से वंचित होना पड़ता है।

भारतीय संविधान भारत की एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय धरोहर है। 26 जनवरी, 1950 के दिन देश सदियों की दासता व उतार-चढ़ाव के पश्चात नये गणराज्य के रूप में उभरकर आया। भारतीय संविधान के अन्तर्गत महिलाओं को कई संवैधानिक अधिकार प्रदान किये गये हैं जो निम्नलिखित हैं:-

संविधान का अनुच्छेद 14 में विधि के समक्ष समता का अधिकार एवं अनुच्छेद 15 में धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी के आधार पर विभेद कर प्रतिषेध किया गया है। ये दोनों अधिकारों के साथ ही यह स्पष्ट होता है कि केवल लिंग के आधार पर अर्थात पुरूष अथवा महिला होने के आधार पर किसी प्रकार भेद-भाव नहीं किया जायेगा।

अनुच्छेद 15 (3) स्त्रियों के लिऐ विशेष उपबन्ध की व्यवस्था करता है जिसके तहत सरकार स्त्रियों के उत्थान के लिये कोई भी विशेष विधि बना सकती है।

अनुच्छेद 16 लोक सेवाओं में अवसर की समानता का अधिकार प्रदान करता है अर्थात नियोजन अथवा नियुक्ति के सम्बन्ध में मात्र महिला होने के आधार पर कोई विभेद नहीं किया जायेगा।

अनुच्छेद 23 मानव दुर्व्यवहार, बेगार, बलात-श्रम आदि का प्रतिषेद करता है। स्त्रियों का अनैतिक व्यापार मानव दुर्व्यहार का ही एक रूप है। इसके तहत 'स्त्री तथा लड़की अनैतिक व्यापार दमन अधिनियम 1956 पारित किया गया जिसके अन्तर्गत मानव दुर्व्यवहार एक दण्डनीय अपराध घोषित किया गया।

संविधान के अनुच्छेद 39 राज्य के द्वारा अनुसरणीय नीति-निदेशक तत्व के अन्तर्गत सभी नागरिकों के लिये जीविका के पर्याप्त साधनों की उपलब्धि, स्त्रियों को समान कार्य के लिये पुरूषों के समान वेतन, स्त्रियों की शोषण से रक्षा आदि का प्रावधान करता है।

क्रोधा से बदले की भावना बढ़ती है। उससे परिणाम भंयकर होते है।

माँ गायत्री हास्पिटल

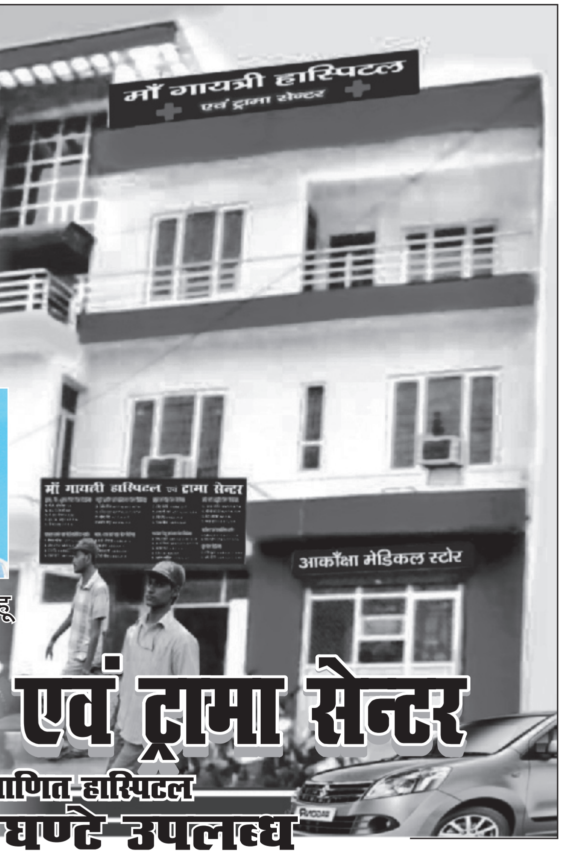

डा. वी.के.साहू
कन्सल्टेन्ट फिजिशियन

उदय साहू

मुकेश कु.साहू

डा. योगेन्द्र साहू
एम.बी.बी.एस.एम.डी.

माँ गायत्री हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

ISO 9001 : 2008 द्वारा प्रमाणित हास्पिटल

इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

माँ पार्वती डायग्नोस्टिक

आँकांक्षा मेडिकल स्टोर

उपलब्ध सेवायें

- अल्ट्रासाउन्ड, एक्सरे, पैयालॉजी, E.C.G. व समस्त प्रकार के टीकाकरण।
- शुगर, चेस्ट, पेट, लीवर, गुर्दे, पेशाब, ब्लड प्रेशर आदि का इलाज योग्य डाक्टरों द्वारा।
- आधुनिक विधियों द्वारा समस्त प्रकार के आपरेशन बिना चीरा टाँका दूरबीन विधि द्वारा एवं प्लास्टिक सर्जरी द्वारा ।
- महिलाओं से सम्बन्धित-प्रसव (डिलीवरी), बाँझपन, नसबन्दी, मल्टीलोड आदि की सुविधा व परिवार नियोजन सम्बन्धित जानकारियाँ।
- नवजात शिशुओं के लिये वारमर एवं फोटोथिरेपी (पीलिया कम करने की मशीन) की सुविधा उपलब्ध।
- न्योरो सर्जरी/यूरो सर्जरी/ प्लास्टिक सर्जरी/ नवजात बच्चों की सर्जरी ।

डा. वी. कुमार साहू, प्रबन्धक
वरिष्ठ समाज सेवी, नेता (भाजपा)

बी.-515 हंसपुरम, हमीरपुर मेन रोड़ नौबस्ता, कानपुर-208027

सम्पर्क करें
हास्पिटल : 9838001016, फैक्स - 0512-2626214
मो.9839931015, 9793192021

हेल्पलाइन न0.- 9235735427

ईमेल : maagayatrihospital515@gmail.com

गलती से इंसान बहुत कुछ सीख सकता है। बशर्ते कि वह इसके लिए तैयार रहो।

अनुच्छेद 42 काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशायें सुनिश्चित करता है और साथ ही प्रसूति सहायता का उपबन्ध करता है अर्थात स्त्री से कठोर परिश्रम वाला काम न लेना, खतरनाक मशीनों पर कार्य न करवाना, अत्यधिक समय तक कार्य न करवाना आदि।

संविधान के 42वें संशोधान द्वारा जोड़े गये नागरिकों के मूल कर्तव्य अनुच्छेद 51ए के तहत खण्ड (ङ) यह उपबन्ध करता है कि भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें, जो धर्म, भाषा व प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करें जो स्त्रियों के सम्मान के विरूद्ध है।

अनुच्छेद 243 (घ) में महिलाओं के लिए पंचायतों के अन्तर्गत कतिपय स्थान आरक्षित किये गये हैं।

समय-समय पर संविधान में महिलाओं की स्थिति को मजबूत करने के लिये संशोधन किये जाते रहे हैं। महिलाओं के साथ विभिन्न स्तरों पर भेदभाव समाप्त करने के लिए अधिकारों को न केवल सुनिश्चित करना जरूरी है बल्कि उन अधिकारों का क्रियान्वनय एवं उनके प्रति जागरूकता की आवश्यकता है।

मनोज साहू, एडवोकेट
राष्ट्रीय सलाहकार
लखनऊ
मो0 9450750386

~~~

प्रसन्न, स्वस्थ व रोगमुक्त बने रहने के सूत्र

यदि जीवन में सचमुच स्वस्थ व रोगमुक्त रहना चाहते हैं तो अच्छे भोजन, व्यायाम के साथ-साथ हमें प्रसन्न रहने का प्रयास करना भी जरूरी हैं प्रसन्नता व स्वास्थ्य वास्तव में एक-दूसरे के पर्याय व पूरक हैं। प्रसन्नता के लिए निम्नलिखित बातों पर ध्यान देने का प्रयास करें-

1. **अपनी स्वीकार्यता को बढ़ाएं**
   वास्तव में कोई भी स्थिति अच्छी या बहुत बुरी नहीं होती। हर स्थिति को स्वीकार कर उससे प्रसन्नता पाने का प्रयास करें। हमें अपने मन की कंडीशनिंग अथवा बंधन के कारण ही कोई भी स्थिति या वस्तु अच्छी या बुरी लगती है। जीवन में हमारी जितनी अधिक स्वीकार्यता होगी, उतना ही अधिक आनंद हम पाएंगे।
2. **दृष्टिकोण में परिवर्तन करें**
   प्रसन्न रहने के लिए अपने दृष्टिकोण में परिवर्तन करना अनिवार्य है। सकारात्मक दृष्टिकोण से युक्त व्यक्ति ही वास्तव में प्रसन्न रह सकता है। हम वर्तमान को स्वीकार कर उससे संतुष्ट रहने का प्रयास करें। बच्चे प्राय: छोटी-छोटी चीजों में खुशी ढूँढ़ लेते हैं। यदि वास्तव में प्रसन्नता चाहिए तो उन चीजों से अवश्य प्रसन्न होने का प्रयास कीजिए जिनसे बच्चों को प्रसन्नता मिलती है।
3. **घटनाओं का केवल सकारात्मक पक्ष ही देखें**
   जीवन में सदैव प्रसन्न बने रहने का एकमात्र यही उपाय है कि हम घटनाओं के केवल सकारात्मक पक्ष को ही देखें और आशावादी बने रहें। किसी भी घटना को केवल प्रत्यक्ष अथवा वर्तमान लाभ देखना हमारी अल्पज्ञता, संकुचित दृष्टि व व्यावसायिकता का द्योतक है। लाभ-हानि से निरपेक्ष अथवा नि:स्पृह होकर कार्य करने से लाभ होने पर अनेकानेक प्रसन्नता के अवसर हमारे जीवन की वास्तविकता बनें हमें आनंद व अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने में पूर्णत: सक्षम होते हैं, इसमें संदेह नहीं।
   एक व्यक्ति ने एक आश्रम में गाय भेंट दी। गुरु जी ने खुशी प्रकट की। कुछ दिन बाद वह व्यक्ति अपनी गाय लेने आया। गुरु जी ने खुशी-खुशी गाय लौटा दी।
   जब वह व्यक्ति अपनी गाय लेकर वापस चला गया तो
~~~

SENSO

ब्चत या घ्भिलमष्लन

G.P. Gupta
+91 9198111166
+91 9956816207

Product Range

Masala Tea | Cardamom Tea | Ginger Tea | Ginger Tea | Cardamom Masala Tea
Diet Tea | Lemon Tea | Cappuccino Coffee | Choca Melt
Cofee | Green Tea | Saffron Tea

OM SAI Enterprises

Authorised Dealer : Tea-Coffee Vending Machines, Instant Tea & Cofee Premixes

Patel Nagar, Neelmatha, Deepti Ganj Railway Crosing, Cantt, Lucknow (U.P.) 226002
E-mail : omsaienterprises112@gmail.com Web : www.sensofoods.com

ऊँ साँई राम

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

एस.आर.गुप्ता
B.Pharma

साँई कृपा फार्मेसी

(अंग्रेजी दवाखाना)

उतरठिया बाजार, निकट
यूनाईटेड बैंक ऑफ इण्डिया,रायबरेली रोड, लखनऊ

हमारे यहाँ सभी प्रकार की दवायें उचित मूल्य पर मिलती हैं।

मोबाइल : 9307820643

आश्रम के प्रमुख शिष्य ने उनसे पूछा–''गुरुजी, जब वह व्यक्ति गाय दान करने आया था, तब भी आपने ये कहा था कि ये तो बड़ी अच्छी बात है और आज जब वह व्यक्ति गाय वापस माँगने लगा तो भी आपने कहा कि ये तो बड़ी अच्छी बात है। गाय वापस देने से हम सब दूध से वंचित हो गए। इसमें कौन–सी अच्छी बात है?'' गुरुजी ने कहा–''देखो जब गाय आई तो दूध देती थी। अत: इससे अच्छी बात और क्या हो सकती थी?गाय दूध देती थी तो गंदगी भी फैलती थी और उसकी देखभाल भी करनी पडती थी। गोबर की गंदगी व गाय की देखभाल से भी तो मुक्ति मिल गई है। अत: अब इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है?''

4. प्रकृति के सान्निध्य में अधिक समय व्यतीत करें
जब भी मौका मिले प्रकृति के निकट जाने का प्रयास करें। पर्वतीय स्थानों की यात्राएं करें। ट्रैकिंग करें। समुद्र तट अथवा नदियों के किनारे घूमें। उनकी बनावट व रंगों को ध्यानपूर्वक देखें। पेड़ों के पास बैठें। बागबानी अथवा किचन गार्डनिंग करना न केवल हमारी रचनात्मकता में वृद्धि करता है अपितु उस रचनात्मकता से प्रसन्नता भी मिलती है। अँधेरी व चाँदनी रातों में छत पर बैठकर चाँद–तारों का अवलोकन करें। घर में कृत्रिम सजावटी वस्तुओं का ढेर लगाने की बजाय घर को प्राकृतिक वस्तुओं व ताजा फूलों से सजाएँ।

5. बच्चों के साथ समय व्यतीत करें
बच्चों के साथ समय व्यतीत करना प्रसन्न रहने का अचूक नुस्खा है। हम अपना बचपन वापस नहीं लौटा सकते लेकिन बच्चों के साथ समय गुजारने पर उसका आनंद अवश्य ले सकते हैं। बच्चे बड़े सरल हृदय होते हैं। उन्हीं की तरह सरल हृदय बनकर उनसे बात कीजिए। बच्चों से कुछ सुनिए और उन्हें भी सुनाइए। बच्चों के साथ उनके ही खेल खेलिए। उनके साथ कोई प्रतियोगिता कीजिए। आप हारें या जीतें, प्रसन्नता अवश्य मिलेगी।

6. किशोरो व युवाओं से कुछ नया सीखते रहें
बच्चों के साथ समय व्यतीत करने के साथ–साथ किशोरों व युवाओं से जुड़कर उनसे भी कुछ नया सीखने का प्रयास करना बहुत महत्वपूर्ण है। नई तकनीक के प्रवेश व प्रयोग के कारण पुराने लोग पिछड़ जाते है। उनका आत्म–विश्वास डगमगाने अथवा कमजोर पड़ने लगता है। जो लोग बदलते समय के साथ सही तालमेल स्थापित करने में सक्षम होते हैं, वे अपेक्षाकृत अधिक प्रसन्न व स्वस्थ बने रहते हैं।

7. नित्य योग साधना करें
योग से हमारा शरीर स्वस्थ व मन प्रसन्न रहता है।

8. सबसे प्रेम करें
प्रेम जीवन का अनिवार्य तत्व है। इसका मूल्य आँकना असंभव है। प्रेम एक ऐसा तत्व है, जिसको जितना बाँटोगे, वह उतना ही बढ़ेगा। अमीर–गरीब, छोटा–बड़ा, हिन्दू–मुलसमान, स्त्री–पुरूष–प्रेम हर एक के लिए संभव है, सहज ही उपलब्ध है क्योंकि इसके लिए कुछ खर्च नहीं करना पड़ता। इसके लिए किसी की अनुमति या सहमति की आवश्यकता भी नहीं होती। प्रेम में किसी से कुछ लेना नहीं होता, बस देना होता है। संसार में जितना प्रेम बढ़ेगा, लोग उतने ही अधिक संतुष्ट व सुखी अनुभव करेंगे। सबसे प्रेम कीजिए। मनुष्य से ही नहीं प्रकृति से भी प्रेम करें। उसकी हर एक चीज से प्रेम करें।

प्रेमी ढूढत मैं फिरौं प्रेमी मिले न कोई,
प्रेमी को प्रेमी मिलै, सब दिश अमृत होइ।

प्रेमी खोजे नहीं जाते उन्हें तो प्रेम से पाया जा सकता है। जब हम प्रेममय होंगे तभी दुनिया भी हमारे लिए प्रेममय होगी और हमें प्रेमी मिलेगा।

9. बड़े–बुजुर्गों की मदद करें
बड़े–बुजुंगों और बच्चों की मदद करना हमारा दायित्व है। वह कार्य घर से ही प्रारंभ कर दीजिए। बड़े–बुर्जुगों की सेवा करने से असीम सुख की प्राप्ति होती है। उनके आशीर्वाद से आरोग्य एवं दीर्घायु की प्राप्ति होती है। जो लोग बड़े–बुर्जुगों की मदद करते हैं, समाज में उनको सम्मान मिलता है। यह सम्मान भी प्रसन्नतादायक होता है।

10. शिष्टाचार का पालन व नम्रतापूर्ण व्यवहार करें
शिष्टाचार का पालन व नम्रतापूर्ण व्यवहार भी व्यक्ति की प्रसन्नता के लिए अनिवार्य है। इससे न केवल घर–परिवार में अपितु कार्य–स्थल व समाज में भी

आप सभी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाऐं।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

उत्तिष्ठित जागृत

राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

विजय लक्ष्मी साहू

महिला प्रदेश अध्यक्ष- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उ0प्र0
पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य : भारतीय जनता पार्टी, उ0प्र0
निवास- सिविल लाईन्स 739, लक्ष्मी कालोनी, जिला अधिकारी आवास के सामने, फतेहपुर, उत्तर प्रदेश
मो0 : 7309155011, 9125760003
e-mail : vijaylaxmisahu95@gmail.com

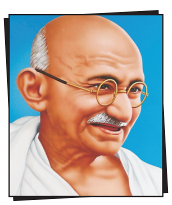

ALL INDIA O.B.C. RAILWAY EMPLOYEES ASSOCIATION · NORTHERN RAILWAY

ALL INDIA O.B.C.'S RAILWAY EMPLOYEES ASSOCIATION

North Zone, Workshop Division, Northern Railway

Recognised by : Ministry of Railways, Govt. of India

Affiliated with- All India Other Backward Classes Railway Employees Federation

Finance Secretary :
Sahu Rathore Jankalyan Samiti
Mahamantri Sangathan :
Bhartiya Talik Sahu Rathore Maha Sabha
Uttarpradesh

HIRA LAL GUPTA
Ex. Div. Secretary
568K/67, Krishna Palli
Alambagh, Lucknow-226005
Mobile : 09415464619

अच्छा माहौल बनता है। निरर्थक विवाद उत्पन्न नहीं होते, जिससे व्यक्ति गुस्से व तनाव से बचा रहता है। व्यक्ति की मित्रता का दायरा भी विस्तृत होता है, जो उसके सामाजिक जीवन के विकास के साथ-साथ व्यावसायिक हितों में भी सहायक होता है।

11. जीवन में सहजता व सरलता अपनाएँ
जीवन में सहजता व सरलता का बहुत महत्व है। हम जितने सहज व सरल होते हैं, उतने ही अधिक प्रसन्न रह सकते हैं। कबीर ने ठीक ही कहा है-

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय,
माली सींचे सौ घड़ा, रितु आए फल होय ।

12. स्वच्छता व सुंदरता का ध्यान रखें
स्वच्छता न केवल हमें रोगमुक्त रखने में सहायक होती है अपितु स्वच्छता मन को सुकून भी मिलता है। साफ-सुथरा व व्यवस्थित घर तथा बैडरूम व्यक्ति को तनावमुक्त रखने में सहायक होता है। उसे अच्छी नींद आती है जो प्रसन्नता प्रदान करने में सक्षम होती है। व्यक्ति की कार्य क्षमता, कार्यकुशलता व कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होती है।

13. रचनात्मक व सृजनात्मकता का विकास करें
संगीत, नृत्य, पेंटिंग, अभिनय, गायन-वादन, लेखन, स्पोर्ट्स व हॉबीज-ये सभी व्यक्ति की सर्जनात्मकता विकसित कर उसे प्रसन्नता प्रदान करने में सक्षम हैं। किसी नए कार्य, शिल्प अथवा नई भाषा को सीखना प्रारंभ करें। निश्चित रूप से प्रसन्नता मिलेगी।

14. केवल अच्छा साहित्य पढ़ें
यह खूबसूरत दुनिया टाइमपास करने के लिए नहीं है। प्रेरणास्पद, ज्ञानवर्धक व उपयोगी साहित्य ही पढ़ें। ऐसा साहित्य जीवन में सकारात्मकता का विकास करेगा व हमारे अंदर उत्साह व प्रसन्नता का संचार करेगा। इससे हमें आगे बढ़ने में सहायता मिलेगी।

मोहन लाल गुप्ता
राष्ट्रीय सचिव , लखनऊ
मो0- 9415576867

दो अक्टूबर

हे जन्म दिवस उस महापुरूष का,
जिसने हमें जगाया है,
राष्ट्रपिता की याद दिलाने
2 अक्टूबर आया है।

जिसने सत्य अहिंसा से ही,
जीत लिया संसार को,
सत्याग्रह की शास्त्र बनाकर
मात किया तलवार को।

भारत माँ की बेड़ी तोड़ी,
दिलवाया आजादी को
सुखमय जीवन लाने के
हित लाया चरखा खादी,
की चलो साथियों, उसी
ओर जो बापू ने सिखलाया है।

राष्ट्रपिता की याद दिलाने
2 अक्टूबर आया है।
उसके ही जीवन को लेकर
सुगमय जीवन पायेंगें
उसके पद चिन्हों पर चढ़कर
उन्नति हम कर पायेंगे।

आदर्श रूप है जिसका जीवन
उसको ही अपनाया है।
उसके पद चिन्हों पर चलना
दुनिया को सिखाया है।
राष्ट्रपिता की याद दिलाने
2 अक्टूबर आया है।

महेश प्रसाद साहू 'दद्दू'
101/99 बरूनी खदंक, माडल हाउस
लखनऊ-226801

आमंत्रण पत्र

9 वां दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, चेन्नई (तमिलनाडु)

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

मुख्य अतिथि:- **श्री प्रहलाद मोदी** वरिष्ठ समाजसेवी

कार्यक्रम उद्घाटन:- **श्री पनीर सेल्वम** अध्यक्ष तमिलनाडु बनियार पेरावई

अध्यक्षता:- **श्री राम नरायन साहू** पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष

विशिष्ट अतिथि:-

समस्त सांसद गण, समस्त विधायक गण
एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी गण

स्थान

SDB GRAND PALACE

22, Devaraj Nagar, Agaram Main Road Selaiyur, East Tambaram,
Opp. Bharath University Chennai Tamilnadu-600073

Date : 15 - 16 September, 2018 (Saturday & Sunday)

9677114444, 9677056334

sdbgrandpalace@gmail.com

E-mail Id- bhartiyatailikmahasabha@gmail.com website :- www.tailik.org

हमारे प्रेरणा स्रोत

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि.)

कार्यालय : शुभम् थियेटर बिल्डिंग, कैण्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ (उ.प्र.) 226001
फोन नं. : 0522-2628182

प्रिय साथियों,

आप सभी को जानकारी होगी कि हम जिस समाज से आते हैं इसका इतिहास बहुत ही स्वर्णिम रहा है। जब-जब भारत देश में आवश्यकता पड़ी है तब-तब इस समाज ने अपनी योग्यता, पराक्रम, राष्ट्रीयता की भावना से देश की सेवा की हैं। ऐसे हमारे प्रेरणास्रोत माँ कर्मा देवी, राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर, गुरू गोरखनाथ, दानवीर भामाशाह, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, आर.के. सन्मुखम् चेटटी, एवं वर्तमान में राष्ट्रगौरव आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी इन सभी महापुरूषों ने समाज को गौरवान्वित किया है।

प्रिय साथियों,

आपसभी को आमंत्रित करते हुए मुझे हर्ष हो रहा है कि दिनांक 15-16 सितम्बर 2018 को भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा का 9वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले त्रिवेन्द्रम (केरल), भोपाल (मध्य प्रदेश), नई दिल्ली जयपुर (राजस्थान), रांची (झारखंड), ग्वालियर (मध्य प्रदेश), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), मुम्बई (महाराष्ट्र) में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हो चुका है जिसमें आपसभी के प्रमुख विचार एवं मार्गदर्शन से संगठन का विस्तार आज 24 राज्यों तक पहुँचा है। इसी क्रम में समाज की जागरूकता हेतु चेन्नई के राष्ट्रीय सम्मेलन में पहुँच कर अपना अमूल्य विचार देकर मार्गदर्शन करें जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।

बन्धुओं

आपके आगमन से व सकारात्मक विचार से समाज में अवश्य बदलाव आयेगा, ऐसा हमें विश्वास है। आप अपने आगमन की सूचना 20 अगस्त 2018 तक कार्यक्रम के आयोजक श्री वी. नागराजन प्रभारी साउथ इण्डिया मो0.9677056334, श्री मोहनलाल गुप्ता राष्ट्रीय सचिव मो0 9415576867 एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के सहयोगी श्री रमाशंकर तेली एडवोकेट, राष्ट्रीय युवा महामंत्री मो0 9451403835 पर देकर अवश्य अनुग्रहीत करें।

शुभकामनाओं सहित

आपका
रामनरायन साहू

सौजन्य से:
जगदीश प्रसाद साहू
प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष उ.प्र.
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा बुंदेलखण्ड/कानपुर भाजपा
पूर्व अध्यक्ष छात्रसंघ बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय
मो:- 9415030362, 8808483195

कार्यालय :
शुभम थियेटर बिल्डिंग,कैण्ट रोड़, कैसरबाग लखनऊ-226001
फोन : 0522-2628182, वेब साईट : www.tailik.org. ई-मेल : bhartiyatailikmahasabha@gmail.com

तप से ही काया कंचन मय होती है।

श्री मोदी, और साहू समाज

हम मां कर्मा की संतान हैं, और कर्म ही हमारा धर्म है।

किसी भी समाज, जाति, धर्म का आंकलन उनके महापुरूषों/समाज श्रेष्ठों के अनुसार होती है। हमारे समाज में कुछ भ्रांति सदैव रही है, हम अपने आदर्श माँ (आईकॉन) पर सदैव संदेह करते रहे। हम भामाशाह को अपना नहीं कह पाये, उनको अग्रवाल समाज ने अपना लिया, हम गाँधी जी को अपना नहीं कह पाये उनको भी अन्य वैश्यों ने अपना बना लिया। यही कुछ भ्रांति मोदी जी के साथ थी, लेकिन धन्य हो उनके परिवार का जो समाज में निकल कर आये और आज कुछ हद तक हम उनकों अपने समाज का मान रहे हैं।

असल में आदर्शो/आईकॉन का मतलब क्या है, वो हमें क्या दे देते हैं। मैं 35-40 वर्ष पूर्व यादव समाज के बारे में बात करना चाहूँगा। जहाँ तक मुझे ज्ञात है, जब चौधरी चरणसिंह का उदय हुआ, उने बाद ही यादव समाज का वृहद् उत्थान एवं उनमें बड़ी एकता आई, जबकि चरण सिंह खुद यादव थे ही नहीं, वे जाट थे, लेकिन सम्पूर्ण यादव समाज ने एक स्वर में उन्हें अपना आदर्श माना। पहले यही समाज बड़ों के लठैत सेवक, दूध बेचने वाला हुआ करता था, लेकिन जब सामाजिक जागृति आई और लगा कि ताकत हमारी, शासन इनका तो ये सर्वोच्च शिखर पर पहुँच गये। वाराणसी शायद विश्व के कुछ शहरों में होगा, जहाँ मिठाई सबसे ज्यादा बिकती है। पहले ये कार्य हलवाईयों के पास था, जब यादवों को समझ में आया कि मिठाई का मूल दूध था, जो हम पैदा करते हैं और हम सबसे सस्ती और अच्छी मिठाई बेच सकते हैं, तब से वाराणसी क्या पूर्वी यू.पी. के 90: मिठाई होटल उद्योग यादवों के पास है। क्या चरण सिंह ने दिया, नहीं ये सामाजिक जागृति का असर है।

आज से चार साल पहले हमें भी खुश होने का अवसर मिला। देश का सर्वोच्च पद हमारे समाज के व्यक्ति को मिला। हमने बहुत आशायें पाल ली, हम बार-बार कहते हैं मोदी ने समाज को क्या दिया, तो सोचिये मोदी जी ने आपको समाज में सर ऊँचा करके चलने का मौका दिया, भूल गये क्या सुबह-सुबह लोग हमारा चेहरा तक देखना पसन्द नहीं करते थे, अब सुबह शाम वही चेहरा। आज हम जहाँ जाते हैं, जहाँ बैठते हैं, वहीं मोदी के समाज वाले हैं। कहा जाता है, याद रखिये प्रतिष्ठा से बड़ी कोई चीज नहीं होती। याद कीजिए बाबू जगजीवनराम देश के गृह मंत्री थे, अथाह पैसा था उनके पास, जब वे विदेश जाते थे तो वस्तुओं के दाम बढ़ जाया करते थे, क्या कमी थी लेकिन वाराणसी में सम्पूर्णानंद की मूर्ति अनावरण करने पर मूर्ति को मूर्खो द्वारा गंगाजल से धोया गया। उन्हें सामाजिक प्रतिष्ठा मिली। आपको तो मिल रहा है। हमारा सौभाग्य है कि मोदी जी का पूरा परिवार सामाजिक उत्थान में लगा हुआ है। वे सहज सरल उपलब्ध हैं, सामाजिक कार्यो के लिए उनका उपयोग कीजिए। आदरणीय नरेन्द्र मोदी देश ही नहीं विश्व के धरोहर हैं, उन्हें छोटा मत बनाइए, बल्कि समाज के लोग अपने आदर्श कार्यो से ऐसा कुछ करें कि मोदी जी को उन पर गर्व हो।

जहाँ तक भारतीय जनता पार्टी का सवाल है, हमारा बहुत सरल, सीधा, धर्मप्रिय, अपने काम के प्रति वफादार रहने वाला समाज है। अगर हम कहे बिना दायें-बायें देखें; कोल्हू के बैल की तरह अपने काम पर ही ध्यान देता है, तो अतिस्योक्ति नहीं होगा, जिसका लाभ चालाक चतुर समाज और राजनैतिक लोग उठाते रहते हैं। चूंकि हमारा स्वभाव भाजपा से मिलता जुलता है। अतः हम उनके पारम्परिक वोटर हैं, वोट न माँगने पर भी हमारा समाज 70.80: भाजपा को ही वोट करता है। अतः वे निश्चित रहते हैं और हमें दबाकर रखते हैं कि कही हमें अपने शक्ति का आभास न हो जाये और हम कुछ माँग न बैठे। अतः हमें राजनैतिक भागीदारी भी बहुत सोच समझ कर ही मिलती है। कहावत है कि जब तक बच्चा रोता नहीं, उसको माँ भी दूध नहीं पिलाती।

मेरा मानना है कि पहले की भाजपा और अब की भाजपा में काफी अंतर आया है। हमें कोशिश करनी होगी कि हम भाजपा को अपने जैसा बनायें। ये तभी संभव है, जब हम वहां रहकर अपनी ताकत दिखा कर अपना हक माँगें। हवा आपके पक्ष में है। सरकार बनाना हमारा काम है, हमें अपने आपसी मतभेद, सामाजिक कुरीतियाँ, धार्मिक आडम्बर को छोड़ समाज हित में राजनैतिक उद्देश्यों को पाने का प्रयास करना होगा। केवल भाजपा ही नहीं, जहाँ भी हमारे समाज के लोग संघर्षरत हैं, उन्हें खुले मन से हमें सहयोग करना होगा। आप सभी को आने वाला, हिन्दू नव वर्ष, माँ कर्मा जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं।

जय हिन्द, जय भारत, जय माँ कर्मा, जय साहू समाज

साहू 'इंजी' जे.एल. गुप्ता)
राष्ट्रीय संगठन मंत्री
भोपाल (म.प्र.)
मो.नं- 09425177412

त्याग के बिना मनुष्य का विकास नही हो सकता।

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि.)

हमारा लक्ष्य :

संगठित-सुरक्षित-स्वाभिमानी व समृद्ध समाज संस्था के प्राथमिक उद्देश्य-

साहू राठौर समाज के सक्रिय घटकों के अन्तर्गत सभी भाइयों को एक मंच पर लाना।

साहू राठौर समाज को उसका अधिकार, सम्मान एवं सत्ता में भागीदारी दिलाना।

समाज को संगठित कर महासम्मेलन की देश के हर विधान-सभा क्षेत्र में सक्रिय इकाई स्थापित करना।

विभिन्न घटकों और संगठनों को एक सूत्र में पिरोकर एक सशक्त संगठन बनाना।

सामाजिक भाईयों-बहनों को यथासंभव सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक मदद पहुँचाना।

सामाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को दूर करना।

समाज के युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों, प्रशासकों और अन्य सभी व्यवसाइयों को संगठित कर राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देना।

रामनरायन साहू
पूर्व सांसद/राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत

संगमलाल गुप्ता
प्रदेश अध्यक्ष/विधायक

सोच पर निर्भर है –अमीरी–गरीबी

प्रत्येक मनुष्य परमात्मा का पुत्र है। परमात्मा की कृपाएं सबके ऊपर समान रूप से बरसती हैं। फिर क्यों इंसान बेबस और लाचार नजर आता है, क्यों कभी उत्साह और कभी निराशा से भरा दिखाई देता है। कभी इंसान अपने को अमीरों की श्रेणी में रखता है तो कभी गरीबों की गिनती में शामिल हो जाता है। कभी स्वयं को बलवान समझने लगता है तो कभी निर्बल बन जाता है, कभी बहुत बड़ीपद प्रतिष्ठा का स्वामी बन जाता है तो कभी–कभी समाज में नजरें झुकाए फिरता है। असल में देखा जाए तो न कोई अमीर है और न कोई गरीब है। दरअसल जब कोई आदमी तुलना करने लगता है, तब वह अमीरी या गरीबी महसूस करता है। फिर वह कभी अमीरी के अहंकार में अकड़ जाता है तो कभी गरीबी में आकर निराश–उदास हो जाता है। जैसे जब आप अपने से आगे वाले देखते हो तब अपने आपको गरीब समझने लगते हो और जब अपने से नीचे वालों को देखते हो तो स्वयं को अमीर समझने लगते हो। तो यही हुआ कि तुलना करने से ही इंसान के अंदर अमीरी–गरीबी की झलक आती है। जब कोई गांव में बड़ा–सा मकान बना ले तो वह अकड़कर चलता है और समझता है कि तेरे जैसा अमीर आदमी यहां कोई नहीं है। किन्तु जब उससे बड़े स्थान पर, कहीं कस्बे में जाकर उससे बड़ा सुंदर भवन देखता है, तो फिर स्वयं को छोटा महसूस करने लगता है और कस्बे वाला आदमी जब शहर की बिल्डिंग देखता है तो हीनता से भर जाता है। शहर वाली बिल्डिंग में रहने वाला आदमी जब महानगरों की चकाचौंध देखता है तो उसकी आंखें झुक जाती हैं, वह सोचता है कि मैं बहुत पीछे हूँ। महानगर वाला जब कहीं विकसित दूसरे देश में जाकर देखता है तो उसे लगता है कि हमारा देश ही अभी बहुत पीछे है। इस तरह आदमी अमीरी–गरीबी का फर्क महसूस करता है। अगर देखा जाए तो लाखों लोग हम से आगे हैं और उससे कहीं ज्यादा हम से पीछे भी हैं। तो क्या हमें संतुष्ट नहीं होना चाहिए कि हमारी स्थिति सबसे न सही कुछ लोगों से तो अच्छी है। इस बात की खुशी मनाई जा सकती है। इस तरह संतोष किया जा सकता है, भगवान् का धन्यवाद किया जा सकता है कि हे प्रभु! तेरी कृपा से हम अच्छे हैं, स्वस्थ हैं, संतुष्ट हैं, तेरी मेहरबानी हम पर बनी रहे, बहुत से लोगों से तो ज्यादा तूने हम पर कृपा की है, जितने के हम हकदार नहीं थे, उससे ज्यादा तूने हमें दिया है। इस तरह सोचने से आप अमीर बन सकते हैं।

इंद्रजीत साहू
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
कानपुर
मो0 9415440349

विचार

व्यक्ति अपने विचारों से निर्मित एक प्राणी है, वह जो सोचता है वही बन जाता है।

–महात्मा गाँधी

आप सभी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाऐं।

मनोज साहू

एडवोकेट, हाईकोर्ट, लखनऊ
राष्ट्रीय सलाहकार
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

मुफ्त कानूनी सलाह हेतु सम्पर्क करें।

निवास/कार्यालय : 4/892 विकास नगर, लखनऊ
मोबाइल : 09450750386

-समाज की प्रतिभायें-

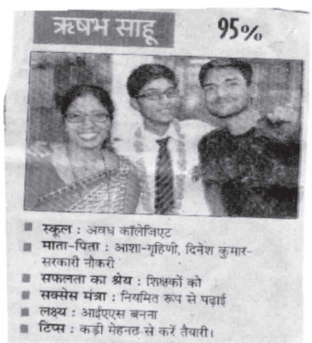

ऋषभ साहू 95%

- स्कूल : अवध कॉलेजिएट
- माता-पिता : आशा-गृहिणी, दिनेश कुमार-सरकारी नौकरी
- सफलता का श्रेय : शिक्षकों को
- सक्सेस मंत्रा : नियमित रूप से पढ़ाई
- लक्ष्य : आईएएस बनना
- टिप्स : कड़ी मेहनत से करें तैयारी।

कॉन्सेप्ट क्लियर कर खुद से की पढ़ाई, अच्छा परिणाम मिला

आस्था साहू 92.67% रैंक 3

हीरालाल इंटर कॉलेज की आस्था साहू ने हाईस्कूल परीक्षा में तीसरा स्थान हासिल किया है। पिता कुंज बिहारी व मां सुनीता बेटी की इस सफलता से बेहद खुश हैं। किसान पिता की बेटी आस्था ने बताया कि एकाग्र मन से पढ़ाई की थी। कांसेप्ट क्लियर कर खुद से अधिक से अधिक पढ़ाई। इसका लाभ परीक्षा में मिला।

हाईस्कूल टॉपर्स

बनना है आईपीएस अफसर

कोचिंग न कर खुद से पढ़ाई की। बड़ी बहन ने हमेशा पढ़ाई में मदद की। पिताजी खेती-किसानी करते हैं। उनके मॉरल सपोर्ट से ही मुकाम हासिल किया है। आईपीएस ऑफिसर बनकर देश सेवा करना चाहती हूं। -यशस्वी साहू, फतेहपुर, 94.5 प्रतिशत

कुमारी-यशस्वी साहू
पिता-श्रीदेवी प्रसाद साहू
पोस्ट- अमौली, फतेहपुर (उ0प्र0)

आन्नद राज साहू
पता- राधेनगर, बाराबंकी, उ0प्र0

93.33 प्रतिशत
उ0प्र0 बोर्ड-आठवीं रैंक

समस्त सफल अभ्यार्थीयों को
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की ओर से हार्दिक बधाई एवम् शुभकामनाएँ प्रेसित करता है एवम् उज्जवल भविष्य की कामना करता है।
-सम्पादक

धर्म हीन मनुष्य बिना पतवार की नाव के समान है।

उतार–चढ़ाव

जिंदगी के उतार–चढ़ाव उस दिमागी खेल की तरह है जिसमें कभी हार होती है तो कभी जीत। मुश्किलों व विपत्तियों को जीवन से जोड़ कर ही चलना चाहिए। पाश्चात्य विद्वान एवं लैंडर्स का कहना है कि 'मुश्किलों को जीवन का अनिवार्य हिस्सा मानकर चलें और जब कोई मुश्किल आए तब अपना सिर ऊंचा उठाकर, उसकी आंख से आंख मिलाकर कहें– 'मैं तुमसे ज्यादा ताकतवर हूं, तुम मुझे नहीं हरा सकती।' जिंदगी में हमेशा अच्छा ही अच्छा होता रहे तो वह भी व्यक्ति को बोर कर देता है। परिवर्तन प्रकृति का नियम है। जिंदगी के उतार–चढ़ाव भी इस परिवर्तन का एक हिस्सा है। जिंदगी के उतार–चढ़ाव ही जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई है। जिंदगी के चढ़ाव व जीत को तो हर व्यक्ति प्रसन्नता से स्वीकार करता है, लेकिन उतार या हार को हर व्यक्ति सहन नहीं कर पाता, जबकि यह जीवन का नियम है कि दिन है तो रात है और जीत है तो हार है। इसलिए हार व जिंदगी में आने वाली तकलीफों को जीवन का एक अनिवार्य अंग मानकर जिया जाए तो जीवन बेहद खूबसूरत लगने लगता है। यदि जिंदगी के उतार को धैर्य से सहन किया जाए तो समस्याओं को सुलझाने में भी एवं आनंद प्राप्त होता है। जब हम अपनी सफलता का जश्न यह सोचकर मनाते हैं कि हमें हमारे संघर्ष और मेहनत का फल मिला है तो असफलता को भी यह सोचकर स्वीकार करना चाहिए कि हमारी मेहनत में कहीं कुछ कमी थी, जो हम सफल नहीं हो पाए और हो सकता है कि जीवन का उतार या हार हमारे लिए इससे बड़ी सफलता रचने की तैयारी कर रहा हो।

समय सदैव एक सा नहीं रहता। हर व्यक्ति के जीवन में भी उतार–चढ़ाव आते है। जीवन में बड़ी सफलताएं उसी व्यक्ति को प्राप्त होती हैं जो बड़ी से बड़ी असफलता या उतार में भी अपना धैर्य और संतुलन नहीं खोते। सहजता से हर असफलता या परेशानी पर विचार किया जाए तो हल उन्हीं में से निकल आता है। साहित्यकार राल्फ वाल्डो इमरसन जीवन के बारे में कहते हैं कि 'कभी न गिरने में हमारा महान गौरव नहीं है, बल्कि वह तो हर बार जब भी हम गिरें तब ऊपर उठने में है।' जो व्यक्ति दुख व परेशानी को स्वीकार करने का साहस उत्पन्न कर लेते हैं वे जीवन की बड़ी से बड़ी जंग भी जीत लेते है।

राम अवतार साहू
राष्ट्रीय संगठन मंत्री
लखीमपुर
मो0– 9451236399

जहाँ से भी ज्ञान मिला हो, उन्हें
शीश झुकाना, विचार कीमती चीज़ है।

जो धर्म की रक्षा करता है,
धर्म उसकी रक्षा करता है। मौत
सभी प्रकार के संग्रह को
यहाँ ही रखवा देता है।

जो दुःख में काम आए उससे
बढ़ कर सगा कोई नही,
उसे सदा याद रखना।

नम्रता के पीछे स्वार्थ हो तो वह ढोंग है।

राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत

रमाशंकर तेली, एडवोकेट

सम्पादक- चेतना संदेश पत्रिका

राष्ट्रीय युवा महामंत्री - भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उ0प्र0 (रजि0)

प्रोपराइटर- एस.एस. प्रिंटिंग वर्ल्ड, लखनऊ

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग कैण्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ

दूरभाष : +91 9451403835

ई-मेल : ramashanker2010@rediffmail.com,
ramashanker15980@gmail.com

आप सभी बन्धुओं को शुभकामनाऐं।

साउथ सिटी हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

दक्षिण क्षेत्र का एक मात्र समस्त सुविधाओं से परिपूर्ण हास्पिटल

डा० हिमांशु साहू

एम.पी.टी. (आर्थो.) बी.ए.एम.एस.वी.सी.पी. (मुम्बई)

पूर्व जयपुर गोल्डेन हास्पिटल, नई दिल्ली

डा० प्रिया साहू

बी.ए.एम.एस.

(स्त्री रोग विशेषज्ञ)

हेल्पलाइन: 9473864426 7618971915

सुविधाएँ-

÷ नार्मल डिलेवरी एवं ऑपरेशन द्वारा प्रसव सुविधा।, ÷ पित्त की थैली व पथरी के ऑपरेशन दुरबीन विधि द्वारा।

÷ बिना चीरा, बिना टांका बच्चेदानी का ऑपरेशन ÷ 24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा व भर्ती की सुविधा।

÷ समस्त उपचार वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाता है।

E.C.G. & X Ray

एवं पैथोलॉजी, सुविधा उपलब्ध

7डी,-1 जरौली फेस-1, 80 फिट कर्रही मेन रोड (निकट पानी की टंकी), कानपुर

नियमतता सफलता की जननी है।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राम नरायन साहू पूर्व सांसद, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री एस.राहुल एवं पत्रिका के सम्पादक रमाशंकर तेली।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी के साथ श्री राम नरायन साहू।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री महेन्द्रनाथ, पाण्डेय के साथ श्री राम नरायन साहू।

श्री बनवारीलाल पुरोहित माननीय राज्यपाल तमिलनाडु से मुलाकात करते संगठन के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष श्री उमेश नन्दलाल साहू।

माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यालय, लखनऊ मे राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ बैठक।

मध्य प्रदेश में संगठन द्वारा आयोजित सामुहिक विवाह कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि माननीय प्रधानमंत्री की धर्मपत्नी बहन यशोदाबेन मोदी जी।

संगठन द्वारा जनपद उन्नाव का जिला सम्मेलन जिसमे मुख्य अतिथि के रूप मे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राम नरायन साहू।

भारतीय जनता पार्टी उ0प्र0 के प्रान्तीय कार्यालय पर मुख्य अतिथि के रूप में झण्डारोहण करते श्री राम नरायन साहू।

सामूहिक विवाह समारोह मध्य प्रदेश के कार्यक्रम में श्रीमती यशोदाबेन मोदी, श्री उमेश नन्दलाल शाहू व सुनील साहू सुमन।

मुम्बई के कार्यक्रम संगठन में राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष श्री एस.पी.गुप्ता महाराष्ट्र के मा0 मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडनवीश के साथ।

संगठन के मध्य प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेन्द्र साहू एवं राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री लालजी गुप्ता को सम्मानित करते वरिष्ठ पदाधिकारी।

गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री विजय रूपानी से शिष्टाचार मुलाकात करती श्रीमती सुषमा साहू सदस्य राष्ट्रीय महिला आयोग भारत सरकार।

गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री ओ.पी. कोहली से शिष्टाचार मुलाकात करती श्रीमती सुषमा साहू सदस्य राष्ट्रीय महिला आयोग भारत सरकार।

श्री ताम्रध्वज साहू माननीय सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग विभाग कांग्रेस श्री राम नरायन साहू पूर्व सांसद के निवास पर पहुँचकर शिष्टाचार भेंट की।

नई दिल्ली में प्रदेश अध्यक्ष एस.राहुल द्वारा माननीय विधायक, सीतापुर राकेश राठौर को सम्मानित किया गया।

उ0प्र0 प्रान्तीय संगठन का नवीनीकरण एवं मनोनयन

प्रदेश अध्यक्ष, संगमलाल गुप्ता, महिला प्रदेश अध्यक्ष, विजय लक्ष्मी साहू एवं युवा प्रदेश अध्यक्ष राम बिलास साहू।

MY DEAR ALL INDIA TELI SAMAAJ (BTSRMS) BROTHER&SISTERS

Make India Healthy

*While India is experiencing impressive economic growth with the reforms introduced by the government led by Prime Minister Narendra Modi, the rapid rise in cardiovascular diseases, diabetes, cancers and chronic respiratory diseases are becoming primary cause of deaths. As the population ages, deaths from these deceases are projected to continue to rise annually. This is no longer a problem of the rich, with 80% of deaths with these deceases occurring in poor and middle income population. The fight against these deceases needs to be tackled on a war footing and bring awareness to the people. Some challenges endemic to populations particularly prone to these deceases are a general lack of emphasis on healthy diets, physical activity, fitness and cleanliness.

***CANCERS:-** Poor people also not aware of risks of smoking and Gutka. Every day more than 2200 people are dying in India due to smoking. India has most oral cancer patients in the world and 90% of them are related to smoking. We need to bring awareness to the people that smoking and gutka are injurious to health.

*Encourage Genuine Non Govt. Organizations to Collaborate with the Government of India in a multidisciplinary approach to enhancing the “Rabies Control” “Cancer Control” and “Tuberculosis(TB) Control” programs in India.

***RABIES:-** Belive that the introduction of a new oral Rabies vaccine for animals combined with strengthening of the public Health capacity to address animal Bites will substantially reduce the estimated 25,000 annual deaths (based on oral autopsy data) due to Rabies in India. The use of oral canine Rabies vaccine has been successful in many parts of the world and is also endorsed by the World Health Organization (Guidance for research on oral Rabies vaccines and Field application of oral vaccination of Dogs against Rabies WHO 2007)

*India needs a concerted approach to bring awareness to the people to tackle these deceases and create a healthy nation. Narendra Modi introduced ideas like “Swacch Bharath Abhiyan” to make clean India and green India for healthy India. Prime Minister Modi alone can’t bring change to India. 125 crore Indians need to do some social service by spreading and implementing his ideas to make healthy India. Everyone can follow and spread his policies and quotes using “NarendraModi App”.

*Sri.Narendra Modi is a bachelor and he has no ulterior motive in serving the nation. He is like Subhas Chandra Bose, Bhagat Singh, Vivekananda, Chatrapati Shivaji as per situation in India to bring positive changes in the nation.NaMo ji for the People By the People - for the Nation by the Nation. He Introduced “YOGA” yoga is a group of Physical,Mental, and Spiritual practices or disciplines which originated in India.

*Besides Swachh Bharat Abhiyan programme, Prime Minister Narendra Modi introduced

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत

ओम प्रकाश साहू

प्रदेश कोषाध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग कैण्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ

दूरभाष : +91 09335118647

निवास : विजय नगर, नीलमथा, बाजार, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

कविता

बनो एक सब मिल विषमता मिटाओ
करें भेद हम फिर भला क्यों बताओ
जगो तुम स्वयं राष्ट्र को भी जगाओ
जगो तुम स्वयं राष्ट्र को भी जगाओ

अगर फूट हममें परस्पर न होती
न ये भेद अथवा छुआ छूत होती
जकड़ती हमें भला क्यों गुलामी
रहे हम हमेशा अखिल विश्व स्वामी
बढ़ेशक्ति फिर एकता की बढ़ाओ
जगो तुम स्वयं राष्ट्र को भी जगाओ

प्रकृति भी नहीं भेद करती किसी से,
लुटाती सहज सम्पदाएं खुशी से
पवन ज्योति जल बांटती है बराबर,
किसी जीव तक का न होता निरादर

हटे देश सेशीघ्र सारी विषमता
हटे यदि हमारे हृदय से कृपणता
गिरे हैं उन्हें अब हृदय से लगाओ
जगो तुम स्वयं राष्ट्र को भी जगाओ
बनो एक सब मिल विषमता मिटाओ
जगो तुम स्वयं राष्ट्र को भी जगाओ

निधि राठौर
गोविन्दपुरी,नई–दिल्ली
मो0 9718922031

जिससे बुद्धि नही उससे बल नही।

following other programs:
*Swachh Bharat Abhiyan (SBA) (or Swachh Bharat Mission (SBM) or Clean India Mission) is a campaign in India that aims to clean up the streets, roads and infrastructure of India's cities, smaller towns, and rural areas. The objectives of Swachh Bharat include eliminating open defection through the construction of household-owned and community-owned toilets and establishing an accountable mechanism of monitoring toilet use. Run by the Government of India, the mission aims to achieve an Open-Defecation Free (ODF) India by 2 October 2019, the 150th anniversary of the birth of Mahathma Gandhi Ji, by constructing 12 million toilets in rural India at a The mission will also contribute to India reaching Sustainable Development Goal.

Ayushman Bharat Yojana to provide quality and affordable health care to nearly 50 crore people across the country. The scheme, billed as the world's largest government-funded health care programme, is a path-breaking initiative and would bring a 'paradigm shift' in the health sector.

Pariksha pe Charcha is a unique programme aimed at helping lakhs of students appearing for exams relieve the stress. PM Narendra Modi Ji will connect with lakhs of students and thousands of schools across the country and discuss exam-related issues through a video conference from Delhi's Talkatora Stadium on February 16.

Sabka Sath, Sabka Vikas is a motto. PM Modi wants the benefits of development to reach each and every section of the society.

*WOMEN Empowerment Schemes:-
Beti Bachao Beti Padhao Scheme
One Stop Centre Scheme
Women Helpline Scheme
UJJAWALA : A Comprehensive Scheme for Prevention of trafficking and Rescue, Rehabilitation and Re-integration of Victims of Trafficking and Commercial Sexual Exploitation
Working Women Hostel
Ministry approves new projects under Ujjawala Scheme and continues existing projects
SWADHAR Greh (A Scheme for Women in Difficult Circumstances)
Support to Training and Employment Programme for Women (STEP)
NARI SHAKTI PURASKAR
Awardees of Stree Shakti Puruskar, 2014 & Awardees of Nari Shakti Puruskar
Awardees of Rajya Mahila Samman & Zila Mahila Samman
Mahila police Volunteers
Mahila E-Haat
Mahila Shakti Kendras (MSK)

*Empowering FARMERS for a Prosperous India:-

Multiple steps taken to give a major boost to Agriculture
Farmers have always been the back-bone of our country & the NAMo Government is striving to strengthen this back-bone of the country through innovative and solid measures.
Pradhan Mantri Krishi Sinchai Yojana will give a boost to productivity by ensuring irrigation facilities. The Vision is to ensure access to some means of protective Irrigation to all agricultural farms. Farmers are being educated about modern irrigation methods to give 'Per

With best compliments from :

➡ A SIYARAM GROUP OF COMPANY
➡ SIYA RAM MULTITRADE PVT. LTD.
➡ SIYARAM HOLIDAYS, HOUSING INVESTMENTS

ANKIT SAHU , Director

Address 365/369 Bharigwari Near
Dr. Mehta (N.D. Plaza), Kanpur Road, Lucknow
Mobile : +91 9336425616, 9628888616 email : Siyarammultitrade@gmail.com

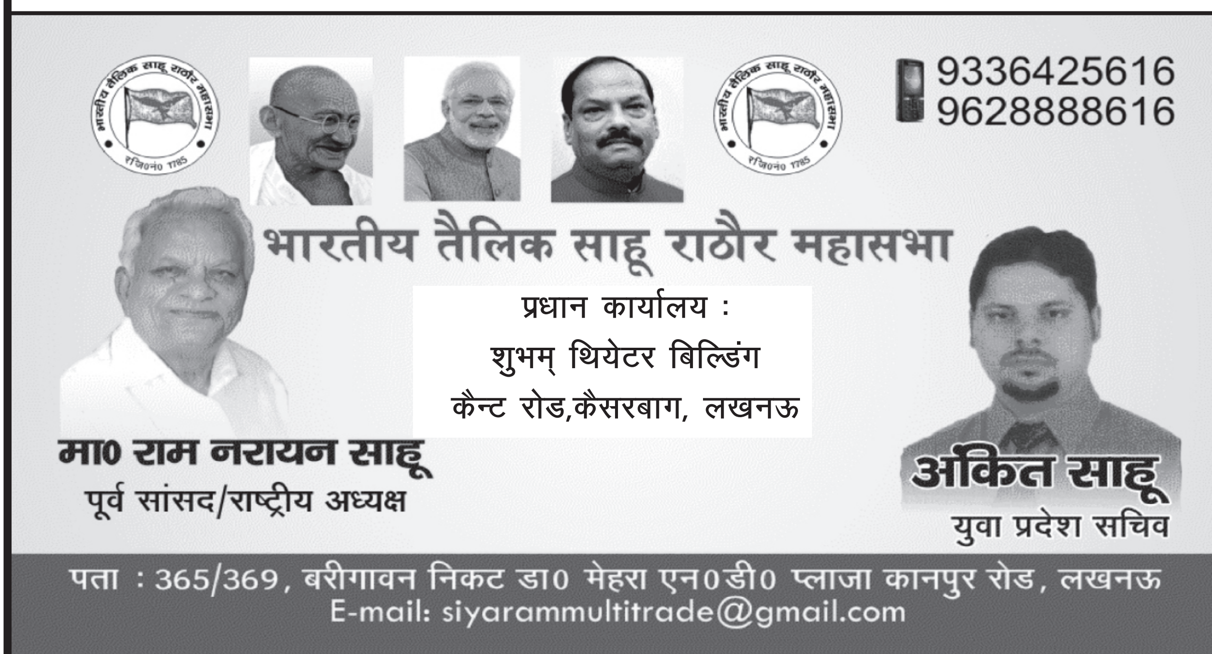

बोलना एक सुन्दर कला है मौन उससे भी ऊँची कला है।

Drop More Crop'.

*Paramparagat Krishi Vikas Yojana has been launched to motivate groups of farmers to take up organic farming. A special scheme has also been launched in North-Eastern Region for promotion of organic farming and export of organic produce.

Soil Health cards have been introduced to enhance productivity of specific crops in a sustainable manner &shall be issued to all 14 crore holdings in the country. About 248 lakh samples are to be analyzed in 3 years' cycle.

*A new urea policy has been announced to enhance domestic production and energy efficiency & Revival of fertilizer plants in Gorakhpur, Barauni and Talcher done to enhance self sufficiency.

*Gram Jyoti Yojana will provide uninterrupted electricity supply by separation of feeders. This will not only boost production, but will also have a huge impact on the overall lives of the farmers, including cottage industries, education, etc.

* Awareness and Motivation most important such Kind of ONLINE CHEATING'S For SAFE and CORRUPTION Free India>:-

A massive cheating and Looting in a bug & smart way, Siphoning of crores of rupees to foreign countries and destroying of Social and economic fabric of this country in the guise of business which warrants the interference of the PM Narendra Modi Ji because of the promoters of these schemes are able to manipulate all process, procedure are unduly influencing all concerned by way of Lobbying, misrepresentation and corruption.

*Taking the advantage of Liberalization Some Kind of Companies entered into the country in the name of FDI and direct selling way back in 1990s.

* The Modus operandi of these companies is to showcase a business model in the front end and at the back end is cheating and looting the public by chain/ network enroll of members into their scheme.

* They lure our innocent HOUSE-WIVES, gullible YOUTH and retired officers in the name of employment and part-time income and get quick rich. They are not only destroying economic fabric of our country but also destroying social fabric in the name of doing Family business and involving spouses and misusing social relationships.

JAI HIND - JAI BHARATH - INDIA IS GREAT

PRAVEEN KUMAR KORPOLE (TELI)
youth Incharge South India Teli (BTSRMS) Samaj.
Hyderabad- Telingana State.
Ph:-9390100002-9177736153

हंसते-हंसते

टीचर- अपना बेटा फेल हो गया है, आप लड्डू खिला रहे हो?

नेताजी- पचास बच्चों की क्लास है। पास सिर्फ पाँच हुए है। और पैंतालीस फेल। बहुमत तो मेरे बेटे के साथ है ना।

संता दूध- वाले की दुकान पर जाता है और कहता है, 'तुम्हारी दुकान का दूध खराब है, शर्बत में डाला, फट गया।'

दूधवाले- ने हैरानी से पूछा, 'कौन से शर्बत में डाला था?

संता- नींबू-पानी

समझदारी

समझदारी मनुष्य का सर्वोपरि गुण है और जिन लोगों में यह गुण होता है वे अपना जीवन तो सफलत बनाते ही है, साथ दूसरों का जीवन भी धन्य कर देते है और जिन लोगों में यह गुण नही होता वो अक्सर घूर्तो द्वारा ठगें जाते है जगह–जगह ठोकरे खाते है, कष्ट सहते है निरर्थक श्रम करते है अपमान सहते है। जबकी समझदार व्यक्ति सोंच समझ कर कदम रखते है। क्या अच्छा है क्या बुरा है उस पर विचार करते है और जो सही रास्ता है उसको अपनाते है समझदारी का मतलब ही है वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार अनुकूल निर्णय लेना समझदार व्यक्ति कभी निरर्थक श्रम नहीं करता ना ही किसी के बहकावे में आकर गलत फैसला लेता है, बल्कि समझदार व्यक्ति तो अपनी आत्मा की आवाज़ को सुनता है स्वंय पर भरोसा करता है और वक्त के साथ चलता है।

समझदारी के गुण विद्यार्थी जीवन से ही देखने को मिलने लगता है, समझदार विद्यार्थी समय का सदुपयोग करता है। अपने से बड़ो का गुरूजनों का कहना मानता है समय पर स्कूल जाता है समय से पढ़ाई करता है, और जिन विद्यार्थीयों में समझदारी का गुण नही होता है वो कुसंग में फंसकर अवारागर्दी करना नशेबाजी करना चोरी त्याभिचार आदि करने लग जाते है और अपनी जिन्दगी को विनाश की ओर ढकेल देते है।

इसी तरह से यदि किसी परिवार का मुखिया समझदार न हो तो उसके परिवार में आये दिन लड़ाई–झगड़े, अशांति देखने को मिलती है बच्चो को अच्छी शिक्षा अच्छे संस्कार नही मिलते पतों पूरा परिवार अस्त–व्यस्त दिखाई पड़ता है। ठीक इसी प्रकार यदि किसी राज्य का राजा समझदार न हो तो वो अपने राज्य को मुसीबतों में लाकर खड़ा कर देता है राज्य को कर्ज में डुबों देता है और राज्य को गुलाम बनाने की स्थिति में लाकर खड़ा कर देता है, जिससे वहाँ की प्रजा त्रहिमाम–त्रहिमाम करने लग जाती है और यदि राजा समझदार हो तो वह राज्य विकास की तरफ ले जाता है उसका राज्य तरक्की की ओर बढ़ते दिखाई देता है और वहां की प्रजा को भी खुशहाली देखने को मिलती है।

इस लिये हर किसी को समझदारी से काम लेना चाहिये चाहे वो छात्र हो परिवार का मुखिया हो अधिकारी हो, कर्मचारी हो या फिर किसी राज्य का राजा क्योंकि यदि व्यक्ति समझदारी से काम नही लेता तो पछताने के सिवा कुछ शेष नही बचता और अपने साथ–साथ औरो का जीवन भी नष्ट कर देता है।

–राजन साहू ''राहुल''
प्रदेश युवा महामंत्री
उन्नाव
मो0 9198255743

व्यायाम शारीरिक स्वास्थ्य की कुंजी है।

वर्तमान परिवेश में सामाजिक उत्थान क्यों और कैसे

मनुष्य अपने ज्ञान और विवेक के द्वारा अपने जीवन को स्वस्थ, सुखी और सम्पन्न बनाने के लिए सत्त प्रयत्नशील रहता है क्योंकि सुखी-सम्पन्न व्यक्ति ही समाज में दुनिया में सम्मान प्राप्त करता है एवं लोगों के लिए आदर्श बनता है।

परन्तु अधिकतर देखा गया है कि जब मनुष्य पूर्णतया सम्पन्न एवं धनवान हो जाता है तो बतायें कि समाज और देश के हित के कार्य करने के लिए वो काफी संकुचित एवं इट्रोवर्ट हो जाता है तथा सामाजिक एवं देशहित के कार्यो से मुंह-मोड़ लेता है एवं सम्पन्न हो जाने के बाद वो अपने परिवार के सुख को ही अपना सुख मान लेता है। जरा सोंच कर देखिये कि क्या मनुष्य जन्म इतने संकुचित उद्देश्यों के लिए हुआ है क्या ये हमारा परम कर्तव्य नहीं है कि हम परिवार को संम्पन्नता देने के बाद समाज को देश को अपनी सेवायें प्रदान करें, दूसरों के काम आयें, समाजसेवा से जुड़े तमाम ऐसे कार्य हैं जिनको करके हम अपना जीवन सार्थक कर सकते हैं।

हम ये कदापि ना भूलें कि हमारे देश में तमाम ऐसे मनीषी एवं महापुरूष हुए हैं जिन्होंने अत्यधिक आर्थिक तंगी के बावजूद अपने हिस्से का भोजन द्वार पर आये भिक्षुक को दान देकर स्वयं भूखे पेट रहना पसंद किया है

हमारे सामने महात्मा गांधी जी का ज्वलन्त उदाहरण हैं जिन्होंने तमाम सम्पन्नता के बाद भी समाज सेवा एवं देश सेवा को अपना एकमेव कर्म एवं धर्म मानकर जीवन पर्यन्त कार्य किया एवं देश की जनता ने उन्हें सर आँखों पर बैठाया एवं उन्हें राष्ट्रपिता की पदवी प्रदान की।

उसी तरह दूसरी तरफ हमारे राष्ट्र गौरव एवं समाज गौरव माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी का उदाहरण है जिन्होंने अत्यधिक गरीबी देखने के बाद भी समाज सेवा एवं देश सेवा की ज्योति अपने मन में ऐसी जलाई कि वो देश-दुनिया के लिए एक आदर्श पुरूष बन गये।

इसी तरह अगर हमारे अपने साहू-राठौर-तेली समाज के लोग समाज और देश को दिशा देना चाहते है, देश दुनिया में मान-सम्मान प्राप्त करना चाहते हैं, तो उन्हें परिवार-व्यापार से ऊपर उठकर समाज एवं देश हित के कार्यो में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना होगा। तभी वो अपना, समाज एवं देश का हित कर सकने में कामयाब होंगे। एवं अपने साहू-राठौर-तेली समाज को देश-दुनिया में बुलन्दियों पर ले जाने में कामयाब होंगे।

देवेन्द्र कुमार साहू
प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष
मो0 9936054842

आने वाली फिल्में

June 01, 2018	:	Veere Di Wedding Karwaan
	:	Bhavesh Joshi
	:	Superhero
	:	Phamous
	:	3Dev
June 15, 2018	:	Race 3
June 29, 2018	:	Sanju
	:	Sanjay Dutt's BioPic
July 13, 2018	:	Fanne Khan
	:	Soorma
July 20, 2018	:	Dhadak
July 27, 2018	:	Saheb Biwi Aur Gangster-3
Aug 03, 2018	:	Sandeep Aur Pinky Faraar
Aug 10, 2018	:	Karwaan
		Life Is Good
Aug 15, 2018	:	Gold Satyameva Jayate
Aug 31, 2018	:	Batti Gul Meter Chalu

दुर्लभ ज्ञान की बातें

- मनुष्य मुस्करा के देखे सारी दुनिया हंसती नजर जायेगी
- मनुष्य बचत करके तो देखे उसका बुढ़ापा सुधर जायेगा।
- मनुष्य निःस्वार्थ सेवा करके तो देखे अगला जन्म संवर जायेगा।
- मनुष्य गन्दी आदतें छोड़ के तो देखे उसकी सेहत तथा इज्जत बन जायेगी।
- मनुष्य भगवान को याद करके तो देखे उसका भविष्य सुधर जायेगा।
- मनुष्य खर्चा घटाकर तो देखे रात में नींद अच्छी आयेगी।
- मनुष्य मेहनत करे तो देखे सफलता की सीढ़ी पर चढ़ जायेगा।
- मनुष्य पत्नी तथा लोगो से प्यार करके तो देखे सभी अपने हो जायेंगे।
- मनुष्य संसार की अच्छाई तो देखे खुद की बुराई भाग जायेगी।
- मनुष्य दूसरो की सुनने की कोशिश करके तो देखे समस्या हल हो जायेगी।
- मनुष्य किसी को सुखी बनाने की कोशिश करके देखे समस्या हल हो जायेगी।
- मनुष्य खुली हवा में जाकर प्रकृति को देखे प्रवृत्ति बहुत कुछ सिखा देगी।
- मनुष्य अच्छे इन्सान से सलाह लेकर तो देखे उसकी सारी उलझने समाप्त हो जायेंगी।
- मनुष्य अपना पेट साफ रखकर देखे बीमारी मिट जायेगी।
- मनुष्य धीरज रखके तो देखे समस्या हल हो जायेगी।
- मनुष्य दिखावा करना छोड़ करके तो देखे दुःख दूर हो जायेगा।
- मनुष्य सादगी का जीवन जी के तो देखे जीवन अच्छा बन जायेगा।
- मनुष्य कर्ज लेना बन्द करके तो देखे जीवन सुखमय हो जायेगा।
- मनुष्य बड़े बूढ़ो की सेवा करके तो देखे उसका भी बुढ़ापा सुधर जायेगा।
- मनुष्य गन्दी कमाई को छोड़ के तो देखे वर्तमान और भविष्य भी सुधर जायेगा।
- मनुष्य कड़वा बोलना छोड़ के तो देखे हर जगह मिठास आ जायेगा।
- मनुष्य वीर बनकर तो देखे संसार का सुख-भोग मिल जायेगा।
- मनुष्य फिजूल खर्च बन्द करे तो देख वह खुद दान करने लग जायेगा।
- मनुष्य ''मैं'' और ''मेरा'' कहना छोड़ के तो देखे वह खुशहाल हो जायेगा।
- मनुष्य डायरी बना के उसे रोज लिखकर तो देखे उसकी दिनचर्या सुधर जायेगी।
- मनुष्य झूठ बोलने की आदत छोड़ के तो देखे वह ईमानदार बन कर प्रसिद्ध हो जायेगा।
- मनुष्य अपने समयानुसार हवन करके तो देखे घर वह बाहर का वातावरण शुद्ध हो कर सभी देवता प्रसन्न हो जायेगे।

- अजय पाल राठौर
प्रदेश महामंत्री
शाहजहाँपुर, उ0प्र0
मो0 9415510599

हंसते-हंसते

बेटा- पापा मै इतना बड़ा कब होऊगां कि मां से बिना पूछे बाहर जा सकूं?

पापा- बेटा अभी इतना बड़ा तो मै भी नही हुआ हूँ। जो बिना तुम्हारी मां के इजाज़त के बाहर जा सकूं।

संयम शील का जीवन सदा सुखी रहता है।

मनुष्य और समाज

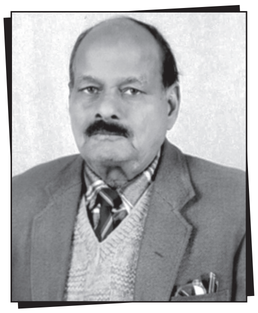

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता 'संघे शक्ति कलियुगे' आदि अनेक अमृत वचन हम रोज़ कहते हैं, और लोगों में सुनते है, उन्हें जिन्दगी का अशक्त आधार भी मानते है, पर उनका अनुसरण नहीं करते। समाज ने हमें बहुत कुछ दिया यह भी स्वीकार करते हैं, पर यह कभी नहीं सोचते कि हमने समाज को क्या दिया मनुष्य व समाज एक दूसरे से अलग अलग नहीं, वरन् एक दूसरे के पूरक है। व्यक्ति है। व्यक्ति सामाजिक व्यवस्था की एक अनिवार्य कड़ी है, दोनों का अस्तित्व एक दूसरे में सन्निहित है। यदि मनुष्य को समाज से अलग अकेला छोड़ दिया जाय तो वह कुछ समय बाद बन मानुष बन जायेगा। इतना कुछ समाज से प्राप्त करते है, फिर भी स्वार्थ वृत्ति को प्रेरित हम आपकी तरफ पीठ घुमा लेते है। 'लोग करेगे तो उसका फल मुझे भी मिलेगा' शायद उसी सोच के बशीभूत समाज से नहीं जुड़ते।

विश्व का इतिहास इस बात का साक्ष्य है कि विश्व में वही समाज अपना अस्तित्व अक्षुण्ण बनाये रख सकें जो संगठित होकर सशक्त बने रहे। रोम जैसा शक्तिशाली व विशाल सम्राज्य अपने विघटन का कारण ही काल के गर्त में समा गया। हम केवल अपने लिए जीना जानते हैं किन्तु हमारे होने की महत्ता तभी है जब हम दूसरों के लिए भी जीना सीखे। हम तो मनुष्य है, बुद्धिजीवी प्राणी पर आज तो जानवरों में जीवन संघर्ष के लिए समूहों में रहना पड़ता है। इतना शक्तिशाली शेर भेड़ियों के संगठित झुड से कभी नहीं भिड़ता, यहां तक कि अपना मरा शिकार छोड़कर दूसरी राह पकड़ लेता है।

अध्यात्मिक जीवन में भी समाज का बड़ा महत्व है। महात्मा बुद्ध समाज छोड़कर चले गये यह ज्ञान प्राप्ति के बाद वह युवा समाज में लौटे और अपनी बौद्धगया में प्राप्त की गई जीवन ज्योति को सारे विश्व में फैलाया। कितने महात्मा सन्यासी जंगलों में गये पर जो कुछ उन्होंने वहां प्राप्त किया उनका प्रचार प्रसार करने पुनः समाज में लौटे। धर्म व मानवीय स्मिता को बचाने के लिये पाण्डवों को एक सेना को संगठित करना पड़ा यह सब समाज के ही विभिन्न स्वरूप है। कृष्णा जो गीता का उद्घोष समाज में ही किया, पांडव संगठित हुए और अनाचार पर विजय प्राप्त की। देश की आजादी दिलाने के लिए तिलक गांधी और नेहरू को भी अपने पीछे संगठित समाज खड़ा करना पड़ा। समाज ही मनुष्य के लिए जीवन संहिता का श्रृजन करता है, जिसके सहारे हम जिन्दगी में तमाम आयाम प्राप्त करते हैं।

यदि यह सच है और प्रमाणिक है तो फिर हम समाज को क्यों महत्व नहीं दे पाते, साहू समाज के भाइयों से निवेदन है केवल अपने लिए न जियो, यदि औरो के लिए न सही तो आने वाली अपनी संतानो के लिए तो जियो। शिवा जी सफलताओं के पीछे मराठों की संगठित शक्ति थी, जिसने मुगलो के विशाल सम्राज्य की जड़े हिला कर रख दी। सत्कर्म कभी खाली नहीं जाते और यदि हम समाज के लिए थोड़ा कुछ भी कर सकें तो उसका कई गुना हमें समाज से अवश्य मिलेगा। अत: हम यथाशक्ति सामाजिक संगठन से कम से कम जुड़ने का काम करे और यथाशक्ति सहयोग भी प्रदान करें।

साहू बी० पी० जायसवाल
लेखक तथा साहित्यकार
लखनऊ
9415765495

डर मुझे भी लगा फ़ैसला देख कर,
पर मैं बढ़ता गया रास्ता देख कर
खुद ब खुद मेरे नजदीक आती गयी
मेरी मंजिल मेरा हौसला देखकर।

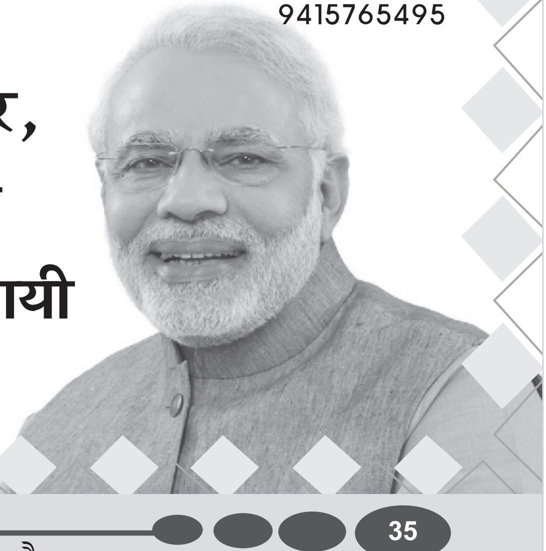

तन और मन दोनो स्वस्थ हो तभी मनुष्य स्वस्थ कहा जा सकता है।

जनहित

इंसान समाज में रहता है। इसलिए समाज ने उसके कुछ दायित्व भी तय किए है। हालांकि समाज हमसे कोई विशेष कार्य की मांग नहीं करता, बल्कि जो कुछ हमें समाज से प्राप्त होता है, उसे ही हमें किसी न किसी रूप में समाज को वापस करना होता है। मनुष्य को कभी भी यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि उसका अस्तित्व समाज से है, समाज का अस्तित्व उससे नहीं। जो मनुष्य समाज से अलग-थलग होकर चलते हैं, उन्हें जीवनभर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जबकि जो व्यक्ति समाज के साथ मिलकर चलते हैं, उनकी बड़ी से बड़ी समस्या तक मिनटों में हल हो जाती है। इसका कारण यही है कि सामाजिक होने के कारण ही प्रत्येक व्यक्ति हमारी समस्या या चिंता का निदान खोजने की कोशिश करता है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह निजी स्वार्थो से ऊपर उठकर जनहित और लोक-कल्याण के बारे में सोचे। जब हम दूसरों के बारे में सोचकर कर्म करते है तो हमें इसका दोहरा लाभ मिलता है। हमें आत्म-संतुष्टि का अहसास होता है, जबकि ऐसा करके हम अपने भविष्य के कष्टों को भी काटते या उनका प्रभाव कम करते है।

हमारे जनहित के कार्य से जितने भी लोग प्रभावित लाभान्वित होते है, वे बदले में हमें प्यार, स्नेह, आशीर्वाद और दुआ देते हैं, जिससे हमारे कष्ट अप्रभावी हो जाते है या फिर हममे उन्हें सहने की असीम ताकत आ जाती है। इसी तरह यदि हमसे भूतकाल में जाने-अनजाने कोई पाप या गलत कार्य हो गया हो तो भी जनहित से जुड़े कार्य करके मनुष्य पश्चाताप या मुक्ति प्राप्त कर सकता है। धर्म-शास्त्रों में कहा गया है कि यदि किसी मनुष्य ने अपने जीवन का तीन चौथाई हिस्सा गलत कार्यो में खर्च कर दिया है तो भी वह शेष बचे समय में सद्कर्म या जनहित के कार्य करके पश्चाताप कर सकता है। अर्थात अंत भला तो सब भला। जनहित के कार्य करने के लिए मनुष्य को केवल एक छोटा-सा प्रयास करना होता है। दुख-दर्द सभी के जीवन में हैं, लेकिन जो व्यक्ति अपने दुखों को ही सबसे बड़ा और जटिल मान लेता है, उससे जनहित के कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। इसके विपरीत जो दूसरों के दुखों को महसूस करे और उनके सामने अपने दुख को भूल जाए, वास्तव में वही जनहित के बारे में सोच सकता है।

शिवसागर साहू
सह-सम्पादक
चेतना सन्देश
मो0- 9452572336

~~~

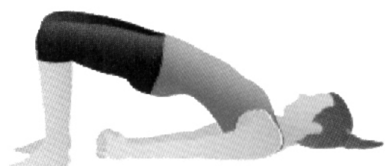

सेतुबंध आसन (पुल मुद्रा)

यह बहुत महत्वपूर्ण आसन है। इससे मूलचक्र पर असर पड़ता है। इसमें पैर पूरी तरह पृथ्वी में गड़े रहते हैं और रीढ़ की हड्डी मूलाधार चक्र की अधिक ऊर्जा को निकालने में व्यस्त रहती है। गले वाले चक्र को भी यह उत्तेजित करती है। साथ ही हृदय और सोलर प्लेक्सस को खोलती है। साथी ही सहस्रार चक्र में संतुलन आता है।

ज्ञान के प्रकाश है उसके बिना हम कदम नहीं चल सकता।
~~~

भारतीय नारी का आदर्श

भारतीय नारी सृष्टि से आरम्भ से ही अनन्त गुणों की आगार रही है। पृथ्वी की-सी क्षमता, सूर्य जैसा तेज, समुद्र की-सी गम्भीरता, चन्द्रमा की-सी शीतलता, पर्वतों की-सी मानसिक उच्चता हमें एक साथ नारी के हृदय में दृष्टिगोचर होती है। वह दया, करूणा, ममता और प्रेम की पावन मूर्ति है और समय पड़ने पर प्रचण्ड-चण्डी भी। वह मनुष्य के जीवन की जन्मदात्री है। नर और नारी एक-दूसरे के पूरक हैं। वह माता के समान हमारी रक्षा करती है, मित्र और गुरू के समान हमें शुभ कार्यो के लिये प्रेरित करती है, बाल्यावस्था से लेकर मृत्युपर्यन्त वह हमारी संरक्षिका बनी रहती है। नारी का त्याग और बलिदान भारतीय संस्कृति की अमूल्य निधि है। इस श्रद्धामयी नारी के विषय में प्रसाद जी लिखते हैं-

''नारी तुम केवल श्रद्धा हो, विश्वास रजत पग-पग तल में।
पीयूष स्त्रोत-सी बहा करो, जीवन के सुन्दर समतल में।।''

प्राचीन भारत में नारियों को उच्च स्थान प्राप्त था। वे केवल संतान की जन्मदात्री एवं भोजनालय की प्रबन्ध कारिणी के रूप में ही प्रतिष्ठित नहीं थी, अपितु पुरूषों के समान ही उन्हें सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक कृत्यों में भाग लेने का अधिकार था। याज्ञवल्क्य की सहधार्मिणी गार्गी ने ''आधयात्मिक धन के समक्ष सांसारिक धन तुच्छ है'' सिद्ध करके समाज में अपना आदणीय स्थान प्राप्त किया था। मनु महाराज ने मनुस्मृति में स्त्रियों का विवेचन करते हुए स्पष्ट लिखा है कि ''जो पति है, वही अभिन्न रूप में पत्नी है जहॉ स्त्रियों की पूजा होती है, वहॉ देवता निवास करते हैं, जहॉ उनकी प्रतिष्ठा नहीं होती वहॉ सब क्रियायें निष्फल हो जाती है, अनेक कल्याणों की भाजन स्त्रियाँ पूजनीय हैं, ये वह ज्योति हैं, जिनकी प्रजापति ने प्रजा की उत्पत्ति एवं विस्तार के लिये इनकी सृष्टि की है, वे गृहलक्ष्मी के रूप में मान्य है, इत्यादि।'' संस्कृत में भी कहा गया है-

''यत्र नार्यस्तु पूजयन्ते, रमन्ते तत्र देवताः''

प्राचीन काल में कोई भी धार्मिक कृत्य बिना पत्नी के सहयोग के पूर्ण नहीं होता था। धार्मिक कार्यो में ही नहीं वे रण-क्षेत्र में भी पति को सहयोग देती थीं। देवासुर संग्राम में कैकेयी ने अपने अद्वितीय कौशल से महाराज दशरथ को चकित कर दिया था। निश्चित ही प्राचीन काल में नारियों का व्यक्तित्व पूर्णरूप से सुरक्षित था। वे अपना जीवन-साथी अपनी इच्छा से चुनती थी, उनमें इतनी योग्यता थी कि वे अपना हानि-लाभ उचित प्रकार से समझ सकें। अपनी योग्यता, विद्वता और विवेक-पूर्ण बुद्धि के बल से द्रोपदी की भाँति अपने पतियों को भी सत्परामर्श एवं शिक्षा देने को प्रस्तुत रहती थीं। गृहस्थाश्रम का सम्पूर्ण अस्तित्व नारी के बलिष्ठ कंधें पर आधारित था। न उन्हें आर्थिक परतन्त्रता थी, न दासता। पुरूषोपार्जित द्रव्य और संचय की वन स्वामिनी थी। बिना गृहिणी के गृह की कल्पना भी नहीं की जाती थी। कहा गया है -

'' न गृहं ग्रहमित्याहुः ग्रहिणी ग्रहमुच्यते।
गृहं हि ग्रहिणीहीनम् अरण्यदृशं मतम्।।''

भारत की परतन्त्रता के साथ-साथ स्त्रियों की परतन्त्रता का भी श्रीगणेश हुआ। प्रेम और बलिदान की भावना कालान्तर में विष बन गई। उनका पुरातन सेवा-भाव उन्हीं के लिये घातक बन गया। उसने प्रेमवश अपने को समर्पित किया था, परन्तु निर्दयी पुरूष ने उसे बन्धनों में जकड़ दिया। तिरस्कार और उपेक्षा उत्तरोत्तर बढ़ती गई। वही नारी, जिसने मण्डन मिश्र की अर्धगिनी के रूप में अपने पति की पराजय से क्षुब्ध होकर शंकराचार्य जी से कामशास्त्र के तत्वों पर शास्त्रार्थ किया था, उसकी तुलना शूद्र गंवार ढोल और पशु से की जाने लगी- ''शूद्र, गंवार, ढोल, पशु, नारी, सकल ताडना के अधकारी।''। शनै-शनैः समय और विचार धाराओ में परिवर्तन हुआ।

ज्ञात और अज्ञात कारणों से भारत की वीरांगनायें और विंदुषियाँ घर की ऊंची-ऊंची चारदीवारियों में बन्द होकर अविद्य होकर अज्ञान के गहन गर्त में डुबकियाँ लगाने लगी। उनका पग-पग पर अपमान होता, ठुकराई जातीं परन्तु वे मृत्युपर्यन्त इन सामाजिक असहाय यातनाओं को मौन होकर मूक पशु की तरह सहतीं। छोटी-छोटी सुकुमार बालिकाओं को पत्नी का स्वरूप दिया जाता था। बेमेल विवाह होते थे। परिणामस्वरूप देश में वैधव्य और भ्रष्टाचार बढ़ने लगा। विधुर हो जाने पर पुरूषों को अधिकार था, दूसरा विवाह करने का, परन्तु विधवा जीवन भर रोती रहे, तरसती रहे, इसके अतिरिक्त कोई चारा नहीं था। स्त्रियों का जीवन पुरूषों की दया पर निर्भर रहने लगा। पर्दा प्रथा विधवाओं की हीन दशा, कन्या पक्ष का नीचा समझा जाना, उच्च शिक्षा का अभाव, अनमेल विवाह, उत्तराधिकार से वंचित होना तथा आर्थिक परतन्त्रता, आदि सामाजिक कुरीतियों ने पराधीन भारत में नारियों को इतना निम्न बना दिया कि वे अभी तक बार-बार चेतनाएं जाने पर भी पूर्ण रूप में जागृत नहीं हो सकीं।

देश में राष्ट्रीयता की भावना के उत्थान के साथ-साथ भारतीय नेताओं का ध्यान सामाजिक कुरीतियों की ओर गया। राजा राममोहन राय ने सती प्रथा को बन्द कराने का प्रयत्न किया। इस प्रथा के अनुसार मन से न चाहते हुए भी स्त्रियों को पति को शव के साथ चिता में जलकर भस्म होना पड़ता था। महर्षि दयानन्द ने शिक्षा और समानाधिकार के द्वारा महिलाओं के लिये खोल दिये। उनके सत्प्रयत्नों से कन्या-गुरूकुलों की स्थापना की गई।

पर्दा प्रथा तथा बाल विवाह को रोकने तथा स्त्रियों में सामाजिक चेतना फैलानेमें दयानन्द जी ने देश की अनुपम सेवा की। इसके पश्चात महात्मा गांधी ने स्त्रीयों के उत्थान के लिए आजीवन प्रत्यत्न किया। उनके सतत् प्रयत्नों के परिणामस्वरूप ही आज के स्वतंत्र भारत में स्त्रियों को पुरूषों के समान अधिकार प्राप्त करने की व्यवस्था संविधान में की गई है। केवल स्त्री होने के कारण ही नारी किसी पद से वंचित नहीं की जा सकती। आज उन्हें पुरूषों के समान आर्थिक स्वतंत्रता दी जा रही हैं पिता की सम्पत्ति में लड़कों की तरह कन्याओं के भाग की व्यवस्था की गई है।भारतीय महिलाओं की अग्रगण्य श्रीमती सरोजनी नायडू ने उत्तर प्रदेश के गर्वनर पद पर श्रीमती विजयलक्ष्मी पण्डित ने विदेश राजदूत के पद पर आसीन होकर तथा श्रीमती इन्दिरा गांधी ने प्रधानमंत्री पद को सुशोभित करके स्त्री-जगत को पर्यान्त सम्मानित किया है। सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष पर तथा श्रीमती प्रतिभा पाटिल राष्ट्रपति देश के सर्वोच्य पद पर आसीन रह चुकी है। आन्तरिक्ष के शोध कार्यो में आज नारियों का महत्वपूर्ण योगदान है।

भारतीय सभ्यता के मूल मंत्र ''सादा जीवन उच्च विचार'' के प्रतिकूल वर्तमान समाज हमारी मूल सभ्यता से उत्तरोत्तर दूर होता जा रहा है। यह विचारणीय प्रश्न है। नारियां सदैव से प्रेरणा स्त्रोत रही है इस बात को ध्यान में रखते हुए नारियों को समाज की मुख्यधारा से जुड़ना होगा जिसमें पुरूषों का योगदान भी अपेक्षित है।

हनुमान प्रसाद साहू
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
लखनऊ

सत्य वचन

उड़ान बड़ी चीज होती हैं। – रोज उड़ो –पर शाम को रोज नीचे आ जाओ क्योंकि आप की कामयाबी पर ताली बजाने वाले और गले लगाने वाले सब नीचे ही रहते है।

प्रकति का कालचक्र नियम देखिए

बचपन :– समय है, शक्ति है लेकिन पैसा नहीं है ।
युवावस्था :– शक्ति है, पैसे है लेकिन समय नहीं है।
बुढ़ापा :– पैसा है, समय है, लेकिन शक्ति नहीं है ।
प्रकृति का कोई जबाब नहीं इसलिए प्रतिदिन हर्ष उल्लास और खुशी में जीवन बिताएं।

–सभार

अपराधी अपने सिवाय और सबको दोष देता है।

अशांति का कारण धन नहीं मन है

धन से इंसान चाहे अमीर बने या न बने, पर मन से अमीर अवश्य बन सकता है। मन से अमीर बनने के लिए धन से ज्यादा संतोष की जरूरत होती है। क्योंकि जब तक लोभ-लालच की दृष्टि बनी रहेगी तब तक वैभव के शिखर पर बैठकर भी भिखारियों वाली स्थिति बनी रहेगी। मन कहेगा कि यह भी इकट्ठा कर लें और वह भी जोड़कर रख लें। जो पास में होगा, वह सदा कम ही लगता रहेगा। आजकल ज्यादातर लोग इसीलिए दुःखी हैं कि जो उन्हें भगवान ने दिया है उसमें उनकी संतुष्टि नहीं है। जो प्राप्त है उसकी खुशी नहीं है, जो नहीं मिल पाया उसके लिए बेचैन हैं, व्याकुल हैं, तड़प रहे हैं दिन-रात ख्वाब देखते हैं, किस तरह से, किस तरीके से सब कुछ मेरा हो जाए। इस वजह से ही ज्यादा अशांति व्याप्त है, लोग ज्यादा उलझे हुए हैं, दुःख पीड़ाओं में पड़े हुए हैं। लालच का विस्तार कर रहे हैं। इच्छाओं को, तृष्णाओं को बढ़ा रहे हैं। केवल कल्पनाओं में खोए हुए हैं। हलवाई की कढ़ाई में चासनी पड़ी हुई है, कोई भी मक्खी जब तक किनारे पर बैठकर रस ले रही है, तब तक तो आनंद लेगी और अगर लालच के वशीभूत होकर आगे बढ़ जाएगी तो उसके पंख चासनी में चिपक जाएंगे, फिर दुःख-ही:दुःख है, परेशानी-ही-परेशानी है, उसके बाद तो मृत्यु ही सामने आएगी। इसलिए आदमी अगर सोच-समझकर जीवन जीए कि संसार के समस्त पदार्थ मेरे उपयोग के लिए हैं, लेकिन मैं पदार्थो से ऊपर हूं, मैं पदार्थो के लिए नहीं हूं तो आनंद मना सकता है, अमीर बनकर रह सकता है। फिर भी अगर लालच ही करना है तो प्रभु भक्ति का कीजिए, उसके प्रति श्रद्धा बढ़ाइए, अपनी लगन में वृद्धि की किजिए, अपने मन में समर्पण-भाव का निरंतर विस्तार किजिए। अगर संसार की उलझन में ही पड़े रहे, दृष्टि दृश्यों में ही अटकी रही तो अदृश्य की तरफ नहीं जा सकेंगे और अदृश्य कोई और नहीं सर्वव्यापक परमात्मा है, जो निराकार भी है और साकार भी है, जो पास से भी पास है और दूर से भी दूर है, उसके प्रति प्रेम बढ़ाइए।

संसार में हर स्थान पर विविधता है, एक जैसी स्थिति कहीं पर भी दिखाई नहीं देती और यही इसके सौंदर्य का प्रमुख कारण है। दुनिया में कुछ लोग बहुत अमीर हैं और कुछ बहुत गरीब, किंतु आश्चर्य तो तब होता है जब कोई अमीर अमीरी में भी रोता ही रहता है और गरीब गरीबी में भी प्रसन्नता और आनन्द का जीवन जीता है, धन्यवाद के गीत गाता है, उसके घर में खुशी की दौलत की कभी कमी नहीं दिखती।

हीरालाल गुप्ता
प्रदेश महामंत्री (संगठन)
मो0- 9415464619

जिसे पैसा नहीं खरीद सकता

(WHAT MONEY CANNOT BOY)

1.हँसी, मगर खुशी नहीं।

2.बिस्तर, मगर नींद नहीं।

3.किताबें, मगर समय ज्ञान नहीं।

4.घड़ी, मगर समय नहीं।

5.साथी, मगर दोस्त नहीं।

6.चमक-दमक, मगर खूबसूरती नहीं।

7.खाना, मगर भूख नहीं।

8.मकान, मगर घर नहीं।

9.दवा, मगर स्वाथ्य नहीं।

10.अँगूठी, मगर जीवन साथी नहीं।

चार आई

जीवन में चार आई से युक्त शब्दों का बहुत महत्व है। ये चार शब्द हैं- 'सफाई,' 'पढ़ाई', 'लिखाई' और 'ऊँचाई'। इन्हें जीवन के चार मूल मन्त्र भी कह सकते हैं।

पहला शब्द या मूल मन्त्र है 'सफाई'। हमारे जीवन के हर क्षेत्र में सफाई अपना विशेष महत्व रखती है। शारीरिक सफाई इसका प्रथम पाठ है। अगर हम इसे अच्छी प्रकार नियमित रूप से अपनायेंगे तो हम स्वस्थ बने रहेंगे। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क और स्वस्थ विचारों का निवास होता है। इससे आगे बढ़कर घर की सफाई, वातावरण की सफाई और सम्पूर्ण समाज की दूषितता की सफाई से हम व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं।

मानसिक एवं नैतिक सफाई भी अत्यन्त आवश्यक है। सदाचरण, दया का भाव, सबके प्रति परोपकार का भाव और दृढ़प्रतिज्ञ विकासात्मक भाव इस सफाई अभियानों से प्राप्त कर हम ब्रह्मानन्द सुखों का अनुभव करते हैं। 'मन न रँगाये, रँगाये जोगी कपड़ा' के गूढ़ार्थ को समझें और उसके प्रति स्वयं प्रेरित हो जागरूक बनें। 'भीतर की सफाई से हमें ऊर्जा मिलती है। बाहर-भीतर एक समान आचरण करना इसका प्रमाण कहा जा सकता है। इसका मूलमंत्र ही है कि 'मन चंगा तो कठौती में गंगा।' जहाँ इस प्रकार की सफाई नहीं होगी वहाँ अन्ततोगत्वा असफलता ही हाथ लग पाती है। 'दाता से सूम भला जो ठाढ़े देई जवाब' की कहावत सफाई की ही देन है।' काम को लटकाये रखना गन्दगी की जड़ है। जिसका असर और प्रसार जहरीले प्रदूषण की तरह यत्र-तत्र सर्वत्र छिन्नभिन्नता फैलाकर अवसाद, मनोविकृति एवं अनेक अविकसित मार्गो को पैदाकर प्रगति के मार्ग को अवरुद्ध करनें में सक्षम होता है। जीवन के हर क्षेत्र में सफाई-अभियान लाभदायक होता है। अतएव विकास-पथ पर अग्रसर होने के लिए सर्वप्रथम सफाई की सीढ़ी पर चढ़ना आवश्यक होता है।

दूसरा मूलमन्त्र या शब्द 'पढ़ाई' है। जीवन में ज्ञान प्राप्त करना अत्यन्त आवश्यक है। 'बिन गुरु होहिं न ज्ञान' को अपनाना श्रेयस्कर होता है। दृढ़-प्रतिज्ञ एकलव्य ने गुरू द्रोणाचार्य की मूर्ति स्थापित कर उनकी छत्र-छाया में 'वाण-विद्या' का अभ्यास कर 'सर्वोत्तम धनुर्धर' होने का गुण हासिल (प्राप्त) कर लिया था। एतदर्थ पाठशाला-गमन होता है। एक शायर ने विद्यालय की महत्ता स्वीकार करते हुए लिखा है-'तेरे आगोश (गोद) में आने के बाद ये मालूम होता है कि जिन्दगी इल्म (ज्ञान) और दानिश (अक्ल, बुद्धि) के सिवा कुछ भी नहीं।' देखा जाय तो सारा विश्व एक पाठशाला के समान है। हमारे चारों ओर ज्ञान पसरा-पड़ा है। इसे प्राप्त करने के लिए सही अर्थो में विद्यार्थी बनना पड़ता है। विद्यार्थी के पाँच लक्षण हैं-

''काक चेष्टा, बकुल ध्यानं, स्वान-निद्रा तथैव च।
अल्पाहारी, गृही-त्यागी विद्यार्थी पंच लक्षणम्।।''

इन लक्षणों को ग्रहण कर ज्ञानार्जन में लग जाना चाहिए। अगर हमारे पास है ज्ञान तो हमारे सामने उजागर होगा सारा जहान, जिसे लेंगे हम जान और तब हम बन पायेंगे महान्। इसीलिए आवश्यक है प्राप्त करना ज्ञान। जब हमारे पास होगी अक्ल तभी तो चमकेगी हमारी शक्ल, अगर हमारे पास होगी बुद्धि तभी तो होगी हमारी शुद्धि। इसीलिए इल्म (ज्ञान) और दानिश (अक्ल, बुद्धि) प्राप्त करना आवश्यक है। यह बात और है कि पाठशाला में बिना गये भी इसे हम अपने जीवन में पग-पग पर प्राप्त कर लेते हैं। 'पढ़े से ज्यादा कढ़े का महत्व होता है।' सैद्धान्तिकता से अधिक व्यावहारिकता का महत्व होता है। जीवन में व्यवहार ही फलदायक होता हैं। गलत स्थितियों में भी हीरा सदैव हीरा ही रहता है। अतएव जहाँ भी वह प्राप्त हो उसे प्राप्त करना ही श्रेयस्कर होता है।

तीसरा शब्द का मूलमन्त्र है 'लिखाई'। हम भले ही

कर्म करने में ही तुम्हारा अधिाकार है फल में नहीं।

प्रकाण्ड पण्डित (ज्ञानवान, जानकार) हों लेकिन उसका प्रकटीकरण न हो या उसे हम किसी को नहीं बाटेंगे तो सब व्यर्थ व नष्ट हो जायेगा। 'जंगल में मोर नाचा किसने देखा'। बिना उसको जाने उसका महत्व ही क्या है। पुस्तकों में ज्ञान भरा-पड़ा है। उसे पढ़कर, समझकर और आत्मसात कर जब तक उसे प्रसारित नहीं किया जायेगा तब तक उसका लाभ किसे मिलेगा इसलिए प्रतिभा-प्रदर्शन(सर्वहिताय) सर्वप्रकारेण लाभकारी होता है। लिखाई में ही सबके सामने प्रकट होती है अच्छाई, इसकी ग्रहणशीलता से युक्त व्यक्ति की होती है भलाई, तब-तक कहीं नहीं होती है उसकी रुसवायी। भाषण-कला भी प्रतिभाप्रदर्शन का स्रोत है। अंगसंचालन भी अभिव्यक्ति का उत्तम साधन है। सही समय पर सही ढंग से कही हुई बातों का असर अचूक होता है। लिखी हुई बातें बहुतों तक पहुंचाकर समझी और आत्मसात की जाती हैं।

अन्त में आता है। शब्द या मूलमंत्र 'ऊँचाई'। ऊँचाई का अर्थ है 'लक्ष्य-प्राप्ति'। 'लक्ष्य-प्राप्ति' से लक्ष-लक्ष आह्लाद प्राप्त होता है। यहीं पर आकर आत्मा अपने परम पिता परमात्मा (परमेश्वर) में लीन हो जाती है। आत्मा परमात्मा का अंश होने पर भी स्वयं में 'पूर्ण' है। कहा गया है कि 'पूर्ण में से पूर्ण यदि लेते निकाल, फिर भी वह पूर्ण ही रहता है।' आत्मा, परमात्मा से विलग होकर भी पूर्ण ही रहती है। उधर परमात्मा भी आत्मा (अंश) के निकल जाने के बाद भी पूर्ण रहता है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने इस विषय में लिखा है- 'ईश्वर जीव अंश अविनाशी, चेतन-अमलसहज सुखराशी।' वही आत्मा ईश्वर से पृथक होकर माया आदि विकारों से ग्रसित होकर दूषित हो जाती है। 'बूंद परत भा ढाबर पानी, जिमि जीवही है वहिं माया लियटानी' (तुलसीदास)। वहीं जीव (आत्मा) परमात्मा में पुन:विलीन होकर परम पवित्र पद को प्राप्त कर लेती है। इस प्राप्ति के लिए ऊँचाई को प्राप्त करना परमावश्यक है। प्रसिद्ध शायर अल्लामा इकबाल ने कहा है- 'खुदी को कर बुलन्द इतना कि हर तकदीर से पहले खुदा बन्दे से खुद पूछे बता तेरी रज़ा क्या है?' यही 'आत्मा' का 'परमपद' है। महाकवि जयशंकर प्रसाद ने भी कहाँ है-'इस पथ का उद्देश्य नहीं है श्रांत भवन में टिक रहना, किन्तु पहुंचना उस सीमा तक जिसके आगे राह नहीं।' मानव-जीवन एतदर्थ अत्यन्त लाभकारी है। इस मानव-जीवन को सफलता प्रदान करने के लिए इस मूलमंत्र ऊँचाई को अपनाना श्रेयस्कर है।

अंग्रेजी में आई (I) का अर्थ है 'मैं'। 'मैं का अर्थ है 'मानव-मात्र'। मानव-मात्र के चहुँदिश विकास हेतु इन चारों मूलमंत्रों को अपनाना ही एकमात्र उपाय है। अंग्रेजी में आई (Eye) का एक और अर्थ आंख (Eye) है। आंखों से ही हम सबकुछ देखते हैं, चाहे वे ऊपरी आखें हों या आन्तरिक आंखें। बिना इनके चारों तरफ अंधेरा है और सबकुछ होते हुए भी सबकुछ शून्य है। अतएव इस आई (Eye) के योगात्मक रूपों से एकाकार होते हुए हमें अपने विकास-पथ पर सर्वदा अग्रसर रहना ही उत्तम है। इन चारों शब्दों (मूलमंत्रों) में 'ई' प्रत्यय अन्त में लगा है। इसलिए ये 'भाववाचक संज्ञा' हैं। जीवन का सम्पूर्ण भाव (सार) भी इन्हीं मूलमंत्रों में ही सन्निहित है।

निष्कर्षत: मेरा निवेदन है कि -

'मूलमंत्र पहला विचार लो-करो 'सफाई',
मूलमंत्र दूसरा समझकर-करों 'पढ़ाई',
मूलमंत्र तीसरा मानकर-करो 'लिखाई',
मूलमंत्र चौथा सब विधि से मिले 'ऊँचाई'।

आँखे (Eye) खोल स्वयं (I) से समझो यह 'जीवन का सार है दिल से जो इनको अपनाता उसका 'बेड़ा पार' है। अधिक कहूँ क्या इसे समझों तुम उसका ही 'उद्धार' है।

निवेदक- **डॉ0 भक्तराज शास्त्री**
स्नेहीनगर, सीतापुर रोड,
लखनऊ
मो0 9415087402

बड़प्पन की कसौटी

फारस देश का एक न्यायप्रिय बादशाह, जिसके तीनों बेटे भी योग्य और आज्ञाकारी थे। वृद्वावस्था आने पर उसने बड़े बेटे को राज-काज सौप दिया। लेकिन कुछ सोचकर एक बहुत ही बेशकीमती मोती अपने पास रख लिया। इस मोती की कीमत इतनी ज्यादा थी कि इसके बदले कई राज्य खरीदे जा सकते थे। मन ही मन उसने निश्चय कर लिया था कि यह मोती वह अपने उस बेटे को देंगे जो सबसे अधिक नेक दिल हो। जिसके विचार सबसे अच्छे और महान हों।

समय-समय पर वह अपने लड़कों की परीक्षा लेते रहते, किन्तु अभी तक वह पूरी तरह संतुष्ट न हो सके थे। बड़ा शहजादा राज-काज में पूरी तरह निपुण था। दोनों भाई पूरे मन से उसकी मदद करते थे। प्रजा पहले से भी अधिक सुखी थी। बादशाह चाहते थे कि ज्यादा समय खुदा की इबादत में लगायें, पर मोती की चिन्ता इसमें सबसे बड़ी बाधा थी। वे लेटे-लेटे यही सोच रहे थे। अचानक उन्हें समाधान का एक उपाय हाथ लग गया।

कुछ सोचते हुये उन्होंने अपने बड़े बेटे से सवाल किया कि बेटे हम जानना चाहते है कि पिछले तीन महीनों में तुमने सबसे अच्छा कौन सा काम किया?थोड़ी देर सोचने के बाद उसने बताया कि ''पिछले महीने जब मैं दूसरे शहर जा रहा था तो एक जान पहचान वाले ने हीरों की थैली देकर कहा कि इसे उसके छोटे भाई को दे देना। सच मानिये मेरे मन में जरा भी लालच नहीं हुआ और मैंने वह थैली उसके छोटे भाई को सौंप दी। मैं समझता हूं कि इससे सभी को खुशी हुई होगी। उस दिन मुझे भी खुशी हुयी थी। मैं सोचता हूँ कि लालच में न पड़ना इंसानियत की बड़ाई है और मैंने यह काम ईमानदारी से किया''। बेटे के उत्तर से सुल्तान इब्राहीम के चेहरे पर प्रसन्नता तैर गई।

दूसरे पुत्र की ओर मुखातिब हो उन्होंने पूछा कि बेटे, पिछले तीन महीने में तुमने कौन सा बड़ा काम किया है। कुछ याद करने की चेष्टा करते हुये उसने बताना शुरू किया ''बात पिछले हफ्ते की है। सुबह-सुबह मैं सैर के लिये नदी किनारे जा रहा था। तभी एक औरत के रोने की आवाज मेरे कानों में पड़ी। देखा कि उसका बेटा नदी में डूब रहा है और वहॉ बचाने वाला कोई नहीं है। मैं फौरन नदी में कूद गया और बालों से पकड़कर उसे बाहर ले आया। थोड़ी देर के इलाज के बाद उसके बेटे को होश आ गया। इस औरत ने मुझे लाखों दुआएं दी। अपने इस काम से मुझे भी बहुत खुशी हुयी''। इंसानी जिन्दगी बचाकर तुमने यकीनन बहुत बड़ा काम किया है। बादशाह ने अपने बेटे की पीठ थपथपाते हुये उसे शाबाशी दी। अब तीसरे बेटे की बारी थी। वही सवाल बादशाह ने उससे भी किया। कम उम्र के शहजादे ने बड़े धीरे-धीरे बताना शुरू किया कि अब्बा हुजूर। ''एक दिन मैं जंगल से गुजर रहा था, देखा कि एक आदमी चट्टान के किनारे गहरी नींद में सोया हुआ है। करवट बदलते ही उसके पहाड़ से गिर जाने का डर था और गिरने पर मौत होना तय थी। मै धीरे से पास गया तो देखा कि वह मेरा पुराना दुश्मन था, फिर भी मैंने उसे जगाकर होशियार करने का इरादा कर लिया। वह घबरा कर उठा, यह जानकर, कि मैं उसकी जान बचाने के लिये यहां तक आया हूॅ, उसने प्यार से मेरे गले में बाहें डाल दी और पुरानी दुश्मनी भूलकर हम दोस्त बन गये। बस मैनें तो यही छोटा सा काम किया है, जो मुझे आज भी याद है।''

छोटे बेटे की विनम्रता और उसके काम से खुश होते हुये बादशाह ने कहा कि शाबाश बेटे। दुश्मन की जान बचाना वास्तव में बहुत बड़ा काम है। वह जिस महानता और नेकदिली को ढूंढ़ रहे थे वह उन्हें अपने इसी छोटे बेटे में दिखाई दी। उन्होंने अपना कीमती मोती इसी छोटे बेटे को सौपने का निश्चय बहुत प्रशंसा की और बादशाह अब पूरी तरह निश्चिन्त होकर भगवान की पूजा में लग गये।

(मुकुल कुमार साहू)
राजाजीपुरम्, लखनऊ।

बेटा और बेटी

बेटा - पारस हैं	बेटी- वारिस हैं ।
बेटा - वंश है	बेटी - अंश हैं
बेटा - आन हैं	बेटी - शान हैं
बेटा - संस्कार हैं	बेटी - संस्कृति हैं
बेटा - दवा हैं	बेटी - दुआ हैं
बेटा - भाग्य हैं	बेटी - विधाता है
बेटा - शब्द है	बेटी - अर्थ हैं
बेटा - प्रेम हैं	बेटी - पूजा हैं

-श्रीमती सोनी साहू
लखनऊ

मनुष्य की महानता उसके आचरण में होती है।

खेल-खेल में सीखें संस्कार

आज के किशोर-युवाओं का पसंदीदा शौक है स्मार्टफोन पर विडियो गेम्स खेलना। उन्हें लगता है कि इसके जरिये वे अपनी परेशानियों व तनाव को दूर कर सकते हैं, लेकिन इस कोशिश में उन्हें लेने के देने पड़ जाते है। ऐसे में छत्तीसगढ़ के एथिकल हैकर मोहित साहू ने हैपी व्हेल नाम से एक ऐसा कंप्यूटर गेम विकसित किया है, जो खेल-खेल में सिखा रहा है संस्कार। कैसे मिली इसे बनाने की प्रेरणा और कैसे खेल सकते है आप यह यह गेम, बता रहे है मोहित साहू खेल से दूर करें तनाव इन दिनों युवा पीढ़ी कई प्रकार के तनाव से गुजर रही है। लाइफस्टाइल ऐसी हो गई है कि पढ़ाई से लेकर नौकरी, तमाम तरह के दबावों को झेलना उनकी मजबूरी-सी बन गई है। इस स्थिति में जब उन्हें मनोरंजन का कोई साधन या कहीं और सुकून नहीं मिलता है, तो वे नशे के शिकार हो जाते है या बेवजह घूमते है। इनमें से भी जब कुछ नहीं मिलता, तो अवसाद से बचने के लिए ब्लू व्हेल, सराह जैसे दूसरे ऑनलाइन गेम्स के चंगुल में फंस जाते है। अपने स्टार्टअप में काम करते हुए मैंने महसूस किया कि टीम के सदस्य भी इस स्थिति से गुजरते होंगे। काम का तनाव उन्हें इस तरह के गेम्स का एडिक्ट बनाता होगा। इसी के बाद मैंने गेम के जरिये खुशियां बांटने का निर्णय लिया और सामने आया हैप्पी व्हेल डॉट कॉम। इसे ब्लू व्हेल का तोड़ भी कहा जा सकता है।

ऐप नहीं, वेबसाइट पर खेलें गेम हैप्पी व्हेल में हमने 20 टास्क निर्धारित किए हैं। इन्हें पूरा करने के बाद आप उदासी की बजाय खुशी एवं संतुष्टि महसूस करेंगे। इससे आपकी एक बेहतर शख्सियत भी बन सकेगी। गेम के अंतर्गत आपको दोस्तों से बात करने, परिवार के साथ रहने, अपने दादा-दादी या नाना-नानी के साथ वक्त गुजारने, पेड़ लगाने, दान देने जैसे लक्ष्य दिए जाएंगे। इन्हें पूरा करने पर नंबर मिलेंगे, जिसे हमने हैप्पी मीटर का नाम दिया है। सबसे अहम बात यह है कि मोबाइल पर गेम खेलने से आंखों में परेशानी हो रही है। इसलिए इस गेम को ऐप पर नहीं, बल्कि सिर्फ वेबसाइट पर खेला जा सकेगा। इसके लिए आपको पोर्टल पर साइनअप करना होगा। हमारी एडमिन टीम टास्क देगी, जिसे पूरा करने के लिए कोई पाबंदी नहीं होगी, कोई नियम नहीं होंगे। सिर्फ गेम खेलना है और खुश रहना है।

मोहित साहू
ऐतिकल हैकर एवं गेम डेवलपर, हैपी व्हेल
छत्तीसगढ़

विनम्र निवेदन

समाज के लिए पूर्णत: समर्पित पत्रिका चेतना सन्देश में प्रकाशनार्थ साहित्य की सभी विधाओं की श्रेष्ठ एवम अप्रकाशित रचनाए आमंत्रित हैं।

1. रचना साफ-साफ हस्तलिखित हो टाइप की हुई हो। रचना के अन्त में पूरा पता व हस्ताक्षर होना आवश्यक है।
2. प्रकाशित रचनाओं में किसी भी प्रकार का मानदेय पारश्रमिक देना सम्भव नहीं है।
3. अपने क्षेत्र में होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों की सचित्र रिपोर्ट भी भेजे हम उन्हें सहर्ष स्वागत करते हैं।
4. पत्रिका आपसे सभी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा रखती है आप स्वयं एवं समाज प्रेमी बंधुओं, एवं सम्बंधित संस्थाओं को इसके सहयोग के लिए प्रेरित करें।
5. रचना का स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार सम्पादक मण्डल की बैठक में किया जायेगा।
6. प्रकाशित रचना में रचनाकार के स्वयं के विचार हैं इसमें सम्पादक एवं प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
7. किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायक्षेत्र जनपद लखनऊ (उ.प्र.) होगा।

-संपादक

पेट की समस्याओं से न हों परेशान

कहते हैं कि अगर पेट सही रहेगा। कुछ सजगताएं बरतकर आप इस मौसम में पेट को दुरूस्त रख सकते हैं ...

गर्मियों में पेट संबंधी समस्याओं के मामले कुछ ज्यादा ही बढ़ जाते हैं। मौजूदा मौसम में आम तौर पर पेट से संबंधित ये बीमारियां ज्यादा होती हैं- पेट मे जलन होना या अम्ल का ज्यादा बनना, जिसे एसिडिटी कहते हैं। पेट में दर्द, दस्त व उल्टियां आना, हेपेटाइटिस होना, बदहजमी होना और टाइफॉइड आदि होना।

क्या हैं कारण

गर्मियों में जीवाणुओं (बैक्टेरिया) की संख्या बहुत तेजी से बढ़ती है। 25 डिग्री सेल्सियस का तापमान जीवाणुओं के पनपने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। आप जानते हैं कि गर्मियों में बाहर रखा खाना जल्दी ही दूषित हो जाता है। इस मौसम में प्रदूषित पानी और दूषित खाद्य पदार्थोंको खाने के कारण पेट संबंधी समस्याएं ज्यादा होती हैं।

जानें लक्षणों को

मुख्य तौर पर पेट के रोगों के लक्षण इस प्रकार हैं ....

- पेट में दर्द होना। - पेट में फुलाव होना।
- भूख न लगना। - दस्त लगना।
- मल में आंव का आना। - पेट में जलन होना।
- आंखों का पीला होना।

ऐसे करें बचाव

- थोड़ा खाएं। दिन में चार-पांच बार हल्का आहार लें। एक बार में ज्यादा खा लेने से पेट में गैस और एसिडिटी की समस्या होने की आशंका बढ़ जाती है।
- तरल पदार्थ जैसे पानी, नीबू पानी, नारियल पानी या घर में तैयार जूस या ओआरएस का घोल पिएं। ऐसा करने से आप डीहाईड्रेशन से बचे रह सकते है।
- खीरा, ककड़ी, खरबूजा व अन्य फल।
- मसालों का ज्यादा इस्तेमाल न करें।
- ताजा खाना खाएं। ज्यादा देरतक रेफ्रिजरेटर के बाहर रखा खाना बैक्टेरिया और फंगस के सक्रिय हो जाने के कारण खराब हो जाता है।
- बिजली के बार-बार आने और जाने से फ्रिज में रखा खाना यदि ज्यादा समय से रखा गया है तो वह भी खराब हो सकता है।
- बाहर खुले में रखे कटे फल और सब्जियां न खाएं। स्ट्रीट फूड्स से परहेज करें।
- ढीले व हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें।
- स्वच्छ व फिल्टर किया हुआ पानी पिएं।

यह है इलाज

पेट से संबंधित रोगों के उपचार के लिए ओआरएस का घोल दें। शरीर के पानी की कमी न होने दें। पेट में जलन के लिए 'एंटीएसिड' तरल पदार्थ पी सकते हैं। समय रहते डॉक्टर की सलाह लें। टाइफाइड, हेपेटाइटिस और हैजे के टीके के बारे में अपने डॉक्टर से सलाह लें।

-डॉ शिवराम गुप्ता
लखनऊ
मो0 - 9307820643

गीत

रे मन चल अब कर उत्थान, रे मन चल अब कर उत्थान।
जब तक नहीं प्रतिष्ठा जग में, मिलता नहीं कहीं सम्मान।।
रे मन चल अब कर उत्थान-रे मन चल अब कर उत्थान
लाखों जख्म सहे सीने पर क्या मरने और क्या जीने पर।
गिनती भूल-भूल रह जाये, हृदयघात बुनने गिनने पर।।
हर ठोकर पर मौन है जो, वह पाषाण बना भगवान।
रे मन चल अब कर उत्थान - रे मन चल अब कर उत्थान
सहज स्वभाव सरस अभिलाषा, उर उन्तस में प्रेम पिपासा।
दुःख पर अट्टहास करता जो, उसको क्या ताजा क्या बासा।।
गम खाने से अपने मिलते, ठोकर खाकर मिलता ज्ञान।
रे मन चल अब कर उत्थान-रे मन चल अब कर उत्थान
हाँ धन दौलत खूब कमाना, पर न किसी का हृदय दुखाना।
भौतिक सुविधा सुख कहने को, जो दिखने में सिर्फ सुहाना।।
मिले जहाँ सुख चैन आत्मिक, अब तक खुली न वो दूकान।
रे मन चल अब कर उत्थान-रे मन चल अब कर उत्थान
देख जिसे दुनिया सुख पाये, बातों से अन्तस हरषाये।
मीठी सी मुस्कान होंठ पर, निश्छलता से गले लगाये।।
रोम-रोम में अपनापन हो, होता सिर्फ नहीं इनसान।
रे मन चल अब कर उत्थान-रे मन चल अब कर उत्थान

आचार्य शैलेन्द्र राठौर 'सरस'
जि0- हरदोई मो0- 9792756911

बिना अनुभव के कोरा शादिब्दक ज्ञान अन्धाा है। विवेकानन्द !

स्वस्थ जीवन के लिये कुछ आवश्यक बातें।

1. सुबह उठकर हल्का गर्म पानी पीना चाहिये।
2. पानी घूंट-घूंट करके और बैठकर पीना चाहिये।
3. खाना 32 बार अवश्य चबाना चाहिये, इससे उसे हजम होने में आसानी रहती है।
4. सुबह का खाना भरपेट खाना चाहिये।
5. सुबह का नाश्ता सूरज निकलने के ढाई घंटे के अंदर कर लेना चाहिये।
6. दोपहर को खाने के साथ लस्सी/छाछ पीना चाहिये।
7. रात को खाना खाने के बाद दूध पीना चाहिये।
8. खट्टे फल रात को नहीं खाना चाहिये।
9. फ्रिज से निकाली हुई चीज एक घन्टे बाद खानी चाहिये।
10. रात को भूख से थोड़ा कम भोजन करना चाहिये।
11. पानी खाना खाने से आधा घंटा पहले या खाना खाने के एक घन्टा बाद पानी चाहिये।
12. रात को लस्सी नहीं पीना चाहिये।
13. रात को खाना खाने के बाद थोड़ी देर टहलना चाहिये।
14. अच्छे स्वास्थ के लिये रात 10 बजे तक सो जाना चाहिये।
15. रात को सलाद नहीं खानी चाहिये।
16. दूध में हल्दी डालकर पीना स्वास्थ्य के लिये उचित होता है। इससे कैंसर की संभावना कम हो जाती है।
17. सुबह उठने के बाद कम से कम दो-तीन गिलास पानी अवश्य पीना चाहिये।
18. सुबह सूरज निकलने से पहले सो कर उठ जाना चाहिये।

श्रीमती रचना साहू
राजाजीपुरम्, लखनऊ

24-घंटे-24 संकल्प

1. आज जो भी मेरे पास आयेगा उसको वापिस नहीं करेंगे।
2. आज से सबसे मधुर व्यवहार करेंगे।
3. आज किसी से किसी की निन्दा नहीं करेंगे।
4. आज जो भी काम करने के लिए कहेगा करने की कोशिश करेंगे।
5. आज जो भी होगा, उसे ईश्वर की कृपा समझेंगे।
6. आज एक गलत शब्द नहीं बोलेंगे।
7. आज पूरा वक्त लगाकर भगवान का नाम जपेंगे और जपायेंगे।
8. आज सभी को प्यार करेंगे।
9. आज भविष्य के लिए कोई चिंता नहीं करेंगे।
10. आज पुरा दिन खुशी से वितायेंगे।
11. आज पूरा दिन किसी का अवगुण न देखकर केवल गुण देखेंगे।
12. आज कोई भी चिढ़ायेगा तो नहीं चिढ़ेंगे।
13. आज पूरा दिन सच बोलेंगे।
14. आज पूरा दिन यह विचार करेंगे कि यह पूरी दुनिया परिवर्तनशील है।
15. आज का पूरा दिन यह विचार करेंगे कि भगवान सबके हृदय में हैं।
16. आज अपने को ज्यादा से ज्यादा सुधारने की कोशिश करेंगे।
17. आज लोभ और लालच का विचार मन में नहीं आने देंगे।
18. आज काम, क्रोध को नजदीक नहीं आने देंगे।
19. आज दिल में यह विचार रखेंगे कि मैं कुछ भी नहीं हूँ।
20. आज अपने अवगुणों को याद करके गुणों में बदलेंगे।
21. आज दिल में यहीं सोचेंगे कि एक-एक पल भगवान की अमानत है।
22. आज का पूरा दिन आत्मचिंतन में रहेंगे।
23. आज की सारी बातें ईश्वर की आज्ञा समझकर स्वीकार करेंगे।
24. आज सबसे नम्रता से बात और नम्रता से व्यवहार करेंगे।

-अंकित साहू
प्रदेश युवा सचिव

आदरणीय स्वजातीय बन्धुओं की सेवा में मेरी यात्रा की पहली कड़ी
'मेरी श्रीलंका यात्रा–राष्ट्रसेवा का गौरवशाली अवसर'

(अपनों से अपनी बात)

किसी भी भारतीय को वैश्विक स्तर पर प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना जीवन के खास लम्हों में से एक होता है। यह सुअवसर मुझे 16–24 दिसंबर 2017 के मध्य श्रीलंका में आयोजित युवा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अर्न्तगत युवा प्रतिनिधि मंडल सदस्य के रूप में प्राप्त हुआ, प्रतिनिधित्व के अवसर व अनुभवों को कुछ शब्दों में व्यक्त कर पाना कठिन है। फिर भी यथासम्भव संक्षिप्त यात्रा-वृत्त पाठकों तक पहुँचाना मैं अपना धर्म समझता हूँ।

यात्रा-वृत्त लेखन की प्रेरणा वरिश्ठ समाजसेवी, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री रामनरायन साहू, यात्रा-वृत्त को आप तक पहुचाने में मेरे खास मित्र का भी विशेष योगदान है। यात्रा-वृत्त टंकण की जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन चेतना संदेश ने किया। इसके साथ ही उन सभी शुभचिन्तकों को साधुवाद है जिन्होंने मनसा, वाचा, कर्मणा मुझे इस यात्रा हेतु प्रोत्साहित किया। मेरे माता-पिता व गुरूजनों का आशीर्वाद मुझे सदैव संबल प्रदान करता रहा जो मेरी यात्रा का निर्बाध उपसंहार बना। मैं नेहरू युवा केन्द्र संगठन के चयन समिति का चिरऋणी हूँ जिन्होंने मुझे इस योग्य समझा।

प्रस्तुत यात्रा-वृत्त को तैयार करने में मुझे जिन भी लोगों का सहयोग प्राप्त हुआ, मैं दिल की गहराईयों से उनका धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। आशा है कि श्रीलंका की सचित्र जानकारी प्रदान करने वाली मेरी यह यात्रा-वृत्त युवाओं के लिए ज्ञानवर्धक व प्रेरणादायक होगी। अग्रेतर सकारात्मक मार्गदर्शन सादर अपेक्षित है।

29 नवंबर, 1977 को नई-दिल्ली में भारत व श्रीलंका की सरकारों के मध्य 'सांस्कृतिक सहयोग समझौता' पर हस्ताक्षर किया गया यही समझौता सांस्कृतिक आदान-प्रदान का आधार और भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल की श्रीलंका यात्रा इसी की एक कड़ी है। औपनिवेशिक सम्राटों के शासन की समाप्ति के बाद यह रिश्ता और भी मजबूत हुआ है। भारत, श्रीलंका का सबसे बड़ा वैश्विक व्यापारिक भागीदार है। पेट्रोलियम, दूरसंचार, वित्तीय सेवायें, विनिर्माण और अवसंरचना विकास (रेलवे, विद्युत, जलापूर्ति) सहित विविध क्षेत्रों में भारत का निवेश है। युवा प्रतिनिधिमंडल के आदान-प्रदान का मूल उद्देश्य इन्हीं द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने का एक अवसर है। श्रीलंका यात्रा के लिये कुल 26 युवाओं का चयन भारत की सम्मानित शिक्षण संस्थाओं व सामाजिक कार्यों में उच्चतम मानदण्ड स्थापित करने वाले संगठनों, जैसे- NYKS, NSS, IIM, RGNIYD,oa NIT से किया गया जो सम्पूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने श्रीलंका के विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति, पुरातत्व, धार्मिक संरचना, व्यवसाय, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी को नजदीक से देखा व समझा। इन बातों के साथ-साथ हम लोग आधुनिक महानगरीय क्षेत्रें को भी देखना नहीं भूले। इस यात्रा के दौरान हमें श्रीलंका सरकार के गणमान्य व्यक्तियों से मिलने व सीखने का गौरव भी प्राप्त हुआ। हमें श्रीलंका के ऊर्जावान युवाओं, स्वयंसेवकों से न केवल मिलने बल्कि उनकी उपलब्धियों को देखने का भी अवसर मिला तथा सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास व नीतियों को जानने के साथ-साथ ऐसे क्षेत्रें के बारे में भी जानने का अवसर मिला, जिन पर दोनों देश एक साथ काम कर रहे हैं, जिससे दोनों देश के लोगों को लाभ पहुंचाया जा सके।

आगे का विवरण अगली कड़ी में-

–प्रवीण गुप्ता
अम्बेडकर नगर
मो0-9415388820

वन्देमातरम् जय माँ कर्मा साहू समाज जिन्दाबाद

माँ कर्मा की संतान है हम !! कर्म ही हमारा धर्म

सभी महानुभावों को होली, माँ कर्मा जंयती, हिन्दु नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकांमनाऐ'

मैं, श्रीमती मंजू गुप्ता (पत्नी)
कुमार विशाल (MBA), कुमार वैभव (BE)

साहू 'इंजी' जे. एल. गुप्ता
(जवाहर लाल गुप्ता)

राष्ट्रीय अध्यक्ष - राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग संगठन
राष्ट्रीय मंत्री संगठन - भारतीय साहू
तैलिक राठौर महासभा
राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष - अ.भा., अनु. जाति, अनु. जनजाति, पिछडा वर्ग, एवं अल्प संख्यक अधिकारी कर्मचारी संगठन (अपक्स)
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव - राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन
मध्य क्षेत्र संयोजक - सामाजिक समरसता अभियान समिति
(विश्व हिन्दू परिषद)

पता - डी - 8, शालीमार पार्क, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)
मोबा. नं. 9425177412, 7000482125 ई-मेल - jlgupta59@gmail.com

मोहनलाल गुप्ता, राष्ट्रीय सचिव
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

आई.ए.एस. धीरज साहू को बधाई देते हुए मोहनलाल गुप्ता।

श्री संगम लाल गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए।

के जन्म दिवस 1 मई को माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुभकामना संदेश।

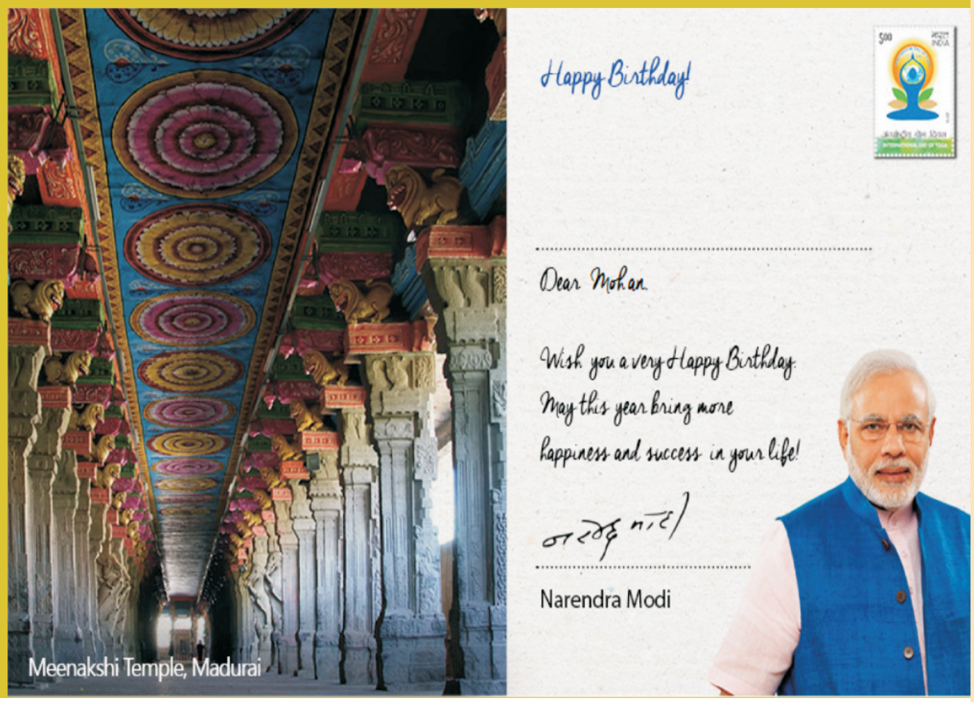

श्री रामनरायन साहू पूर्व सांसद को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

श्री लल्लन कुमार सेन्ट्रल जीएसटी कमिश्नर को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

श्रीमती स्वाति सिंह मंत्री उत्तर प्रदेश से वार्ता करते हुए।

श्री अरुण कुमार गुप्ता जी विशेष न्यायाधीश को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

राजेश साहू
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

जिलाध्यक्ष-राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ।

संयुक्त मंत्री-राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद,उ.प्र.

प्रचार मंत्री -आई.ई.टी. कर्मचारी एसोशिएशन, सीतापुर रोड, लखनऊ उ.प्र.

कार्यालय : बी-4, दारूलशफा, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) मोबाइल : 9453973001

उत्तराखण्ड का प्रान्तीय सम्मेलन सम्पन्न

दिनाँक-11-02-2018, रूद्रपुर उत्तराखण्ड में प्रान्तीय सम्मेलन बडे ही हर्ष उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य एवम् संगठन की प्रदेश अध्यक्ष, बिहार प्रदेश श्रीमती सुषमा साहू तथा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवंम पूर्व सांसद श्री रामनरायन साहू तथा विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रवक्ता एस.राहुल नई दिल्ली, मनोज साहू, एडवोकेट राष्ट्रीय सलाहकार, प्रदेश अध्यक्ष श्री रामअवतार साहू, रमाशंकर तेली, एडवोकेट, राष्ट्रीय युवा महामन्त्री, लखनऊ कार्यक्रम का शुभारम्भ गांधी जी के चित्र पर माल्यापर्ण कर दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रदेश के कोने कोने से आए समाज प्रेमी बन्धुओं को अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष को सुनने व देखने के लिए उत्साहित थे संगठन की अपनी विशिष्टताओं और सफलता पूर्वक लिए गए हमारे समाज के प्रगति प्रयासों की श्रृंखला मे सदैव गर्व के साथ स्मरण किया जायेगा। इसके लिए प्रान्त के सभी पदाधिकारी सदस्य व विशेष रूप से कार्यक्रम संचालक तेजप्रताप साहू, प्रदेश अध्यक्ष ललित राठौर, नीलम राठौर व उनके समस्त सहयोगी विशेष रूप से धन्यवाद के पात्र है।

वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री नानक चन्द्र राठौर-राजाराम साहू, सीताराम राठौर टीकाराम राठौर आदि समाज सेवियों की गरिमामयी उपस्थिति में माननीय सदस्या राष्ट्रीय महिला आयोग सुषमा साहू ने अपने सम्बोधन में अवहृन किया कि महिलाए अपने अधिकारों को पहिचाने, महिला सशक्तीकरण पर जोर देते हुए अधिकारों के प्रति जागरूकता पर विशेष बल दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामनरायन साहू ने अपने सम्बोधन में कहा तेली समाज एकजुट होकर संघर्ष करें तो पिछड़ापन दूर होगा समाज की राजनीतिक, आर्थिक स्थिति पर कहा शिक्षा से ही दूर होगी प्रदेश अध्यक्ष ललित राठौर द्वारा स्वागत भाषण के साथ-साथ हजारों लोगो ने कार्यक्रम मे उपस्थिति दर्ज कराकर शोभा बढ़ाई इसके लिए धन्यवाद एवम् आभार तहे दिल से व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान, कन्याभ्रुण हत्या पर रोक लगाने का बेटी-बेटा मे भेदभाव न रखने का संकल्प लिया गया। शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया घर आफिस और आसपास स्वच्छ रखे समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में गायत्री परिवार रूद्रपुर एवंम लघु उद्योग व्यापार मण्डल ट्रंजिस्ट कैम्प मे विभिन्न व्यवस्थाओं में अपना सहयोग प्रदान किया समाज सेवा के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवीयों को भी सम्मानित किया गया।

-तेजप्रकाश साहू
महामंत्री
भा0तै0सा0 रा0 महासभा, उत्तराखण्ड

साहू राठौर भवन सहयोगी बन्धुओं के नाम जनपद व सहयोग राशि

क्र0 सं0	नाम	पता	धनराशि
1	श्री प्यारे लाल साहू	आजमगढ़	1,001.00
2	श्री बिन्द्रा प्रसाद गुप्ता	आजमगढ़	501.00
3	श्री अशोक कुमार साहू	आजमगढ़	251.00
4	श्री दिनेश कुमार साहू	आजमगढ़	501.00
5	श्री द्वारिका प्रसाद गुप्ता	आजमगढ़	501.00
6	श्री रमेश चन्द्र साहू	आजमगढ़	501.00
7	श्री ज्वाला प्रसाद गुप्ता	आजमगढ़	1,000.00
8	श्री राकेश साहू	आजमगढ़	250.00
9	श्री लाल चन्द्र साहू	आजमगढ़	200.00
10	श्री सत्य नारायण साहू	आजमगढ़	200.00
11	श्री अरूण कुमार गुप्ता	आजमगढ़	500.00
12	श्री पूर्ण चन्द्र साहू	कानपुर	1,100.00
13	श्री दिनेश कुमार साहू	कानपुर	2,100.00
14	डॉ0 निशा अग्रवाल	कानपुर	2,100.00
15	श्री सुरेश कुमार राठौर	कानपुर	1,100.00
16	श्री रामजी साहू	कानपुर	5,100.00
17	श्री रामकरन साहू	कानपुर	1,100.00
18	श्रीमती सुनीता साहू	कानपुर	1,100.00
19	श्री सुनील कुमार साहू	कानपुर	1,100.00
20	श्रीमती कुशुम लता साहू w/o श्री शिवनाथ साहू	कानपुर	5,101.00
21	श्री रमेश चन्द्र साहू	कानपुर	2,100.00

पैसे में परमेश्वर देखना परमेश्वर को भूलने जैसा है।

22	श्री प्रिन्स साहू	कानपुर	2,000.00
23	श्री विजय कुमार साहू	कानपुर	5,100.00
24	श्रीमती नीतू साहू	कानपुर	1,100.00
25	श्री चन्द्र कुमार साहू	कानपुर	1,100.00
26	श्री उपदेश कुमार गुप्ता	लखनऊ	1,500.00
27	श्री राम आधार साहू	लखनऊ	1,500.00
28	श्री जयशंकर साहू	लखनऊ	1,000.00
29	श्री उमाशंकर साहू	लखनऊ	1,000.00
30	श्री अरूण कुमार साहू	लखनऊ	5,000.00
31	श्री मिठाई लाल गुप्ता (रा0 वरि0 उपाध्यक्ष)	हरियाणा	100,000.00
32	श्री उमेश नन्द लाल (रा0 कार्यवाहक अध्यक्ष)	नागपुर, महाराष्ट्र	51,000.00
33	श्री अशोक कुमार साहू	सूरत, गुजरात	5,111.00
34	श्री मोहन लाल/ हजारी लाल	डोम्बेवली, पूर्व मुम्बई	51,000.00
35	श्री रामजी गुप्ता	डोम्बेवली, पूर्व मुम्बई	51,000.00
36	श्री गिरिजा शंकर गुप्ता	मुम्बई	55,000.00
37	श्री राजाराम गुप्ता	मुम्बई	1,100.00
38	श्री ओम प्रकाश गुप्ता	जबलपुर	5,000.00
39	श्री धीरेन्द्र साव	रायपुर	1,000.00

ंक मे

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

Bhartiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha (Reg.)

सम्पर्क कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ-226001
Office : Shubham Building, Cantt. Road, Kaisarbagh, Lucknow-226001

सहयोगी सदस्यता स्वीकृति-पत्र

सेवा में,

राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड

कैसरबाग, लखनऊ-226001

मान्यवर,

मैं साहू राठौर महासभा द्वारा चलाये जा रहे समाजोत्थान कार्यो से प्रभावित हूँ अतः इस महान यज्ञ में अपना सहयोग प्रदान करने हेतु विशिष्ट सदस्यता (3वर्ष हेतु) रू0 500/-, आजीवन सदस्यता (15 वर्ष हेतु) रू0 1500/-, संरक्षक सदस्यता (आजीवन) रू0 2100/-में से..सदस्यता की स्वीकृति प्रदान करें।

नाम श्री/श्रीमती..

पिता/पति का नाम..

जन्म तिथि..वर्तमान व्यवसाय/नौकरी/अन्य सेवा

कार्य.. पता (निवास) ....

....कार्यालय :..पिन कोड....................

फोन....................मोबाइल....................ई-मेल (यदि हो तो)....................

.... शैक्षिक योग्यता....................अभिरूचि....................

..........सदस्यता शुल्क विवरण.. ....

....(चेक/मनीआर्डर/डी.डी.) पूरा उल्लेख करे।

स्थान : ....

दिनाँक : ....

(नोटः सदस्यता पूर्ण विवरण हेतु फार्म के पीछे अवश्य पढ़े।)

सदस्य के हस्ताक्षर

आदरणीय स्वजातीय बन्धु सादर नमस्कार !

मुझे इस सत्यता का भरपूर आभास है कि आप सभी के हृदय में समाजोत्थान की एक ललक व मन में पीड़ादायक एक टीस अवश्य समाई हुई है जिसके कारण आप समाज कार्यों में सहभागी बनकर अपने कर्त्तव्य के प्रति सचेष्ट हैं। आपके सामने एक कल्पना है, एक सपना है, एक योजना है ताकि सामाजिक उन्नति के बल पर आप अपने बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर सकें ताकि भावी पीढ़ी को उत्तरोत्तर उन्नति करने का सुअवसर प्राप्त हो सके।

यह सुखद संयोग है कि भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा' की संस्थापक प्रान्तीय इकाई है, का कार्य विगत 1989 से सतत् रूप से चल रहा है। समिति के कार्य की यह निरन्तरता विशेष महत्वपूर्ण है। यह मेरी अपनी अवधारणा है कि सामाजिक संगठन किसी व्यक्ति विशेष पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। समाज की उन्नति में तो सभी की सहभागिता, सक्रियता एवं नेतृत्व क्षमता का उपयोग व सहयोग होना चाहिए। हम इस समाज के अभिन्न अंग हैं अतः इस गुरूतर दायित्व के लिए हमें ही आगे आना होगा।

परन्तु यह सत्यता भी निर्विवादित है कि संगठन तंत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए आर्थिक तंत्र को सबंल रखना भी आवश्यक है क्योंकि प्रत्येक कदम पर धन की आवश्यकता होती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुये सामाजिक बन्धुओं के मध्य सदस्यता अभियान प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ है।

सदस्यता सम्बन्धी विस्तृत जानकारी

(1) विशिष्ट सदस्यता- इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि 500/-(पाँच सौ मात्र निर्धारित की गई है)। प्रान्तीय एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन के समय विशिष्ट सदस्य को वोट देने का अधिकार होगा। रसीद कटने की तिथि से आगामी तीन वर्षों तक यह मान्य रहेगी। संस्था द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका सदस्यता अवधि तक निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

(2) आजीवन सदस्यता - इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि 1500/- (एक हजार पाँच सौ मात्र) निर्धारित की गई है। रसीद कटने की तिथि से आगामी 15 वर्षों तक सदस्यता मान्य रहेगी। ऐसे आदरणीय सदस्य को संस्था द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका सदस्यता अवधि तक निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

(3) संरक्षक सदस्यता- इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि रू0 2100/- (दो हजार एक सौ मात्र) सम्पूर्ण जीवन काल के लिए निर्धारित की गई है। सम्पूर्ण जीवन काल के लिए ऐसे आदरणीय सदस्य का समाजहित में सहयोग चिर स्मरणीय रहेगा। संस्था द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका स्वाभाविक रूप से आजीवन निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

अन्त में इसी दृढ़ विश्वास के साथ यह अनुरोध पत्र भेजा जा रहा है कि समाजोत्थान के इस यज्ञ में आपकी आर्थिक सहभागिता अवश्य प्राप्त होगी।

विशेष : इस पत्र के साथ सदस्यता स्वीकृति पत्र प्रेषित है।

सादर,

भवदीय

(गांधी रामनरायन साहू)

राष्ट्रीय अध्यक्ष

समाचार पत्रों की सुर्खियाँ

ऑनलाइन न्यू इनोवेशन

खेल-खेल में सीखें संस्कार

मोहित साहू
एथिकल हैकर एवं गेम डेवलपर, हैपी व्हेल

आज के किशोर-युवाओं का पसंदीदा शौक है स्मार्टफोन पर वीडियो गेम्स खेलना। उन्हें लगता है कि इसके जरिये वे अपनी परेशानियों व तनाव को दूर कर सकते हैं, लेकिन इस कोशिश में उन्हें लेने के देने पड़ जाते हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ के एथिकल हैकर मोहित साहू ने हैपी व्हेल नाम से एक ऐसा कंप्यूटर गेम विकसित किया है, जो खेल-खेल में सिखा रहा है संस्कार। कैसे मिली इसे बनाने की प्रेरणा और कैसे खेल सकते हैं आप यह गेम, बता रहे हैं मोहित साहू...

खेल से दूर करें तनाव

इन दिनों युवा पीढ़ी कई प्रकार के तनाव से गुजर रही है। लाइफस्टाइल ऐसी हो गई है कि पढ़ाई से लेकर नौकरी, तमाम तरह के दबावों को झेलना उनकी मजबूरी ... उन्हें मनोरंजन ... नहीं मिलता है ... बेवजह घूमते ... तो अवसाद ... जैसे दूसरे ऑ... हैं। अपने स्टा... किया कि टीम ... होंगे। काम क... एडिक्ट बनाता ... खुशियां बांटने ... हैप्पी व्हेल डॉट ... कहा जा सकता ...

ऐप नहीं, वेबस...

हैप्पी व्हेल गेम में ... इन्हें पूरा करने वे... एवं संतुष्टि महसू... शख्सियत भी ब... दोस्तों से बात व... दादा-दादी या न... पेड़ लगाने, दान... पूरा करने पर न... का नाम दिया ... मोबाइल पर गेम ... है। इसलिए इस ... वेबसाइट पर खे... पोर्टल पर साइन... टास्क देगी, जिसे पूरा ... नहीं होगी, कोई नियम नहीं होंगे। सिर्फ गेम खेलना है और खुश रहना है।

इलाके में पेयजल संकट की समस्या बनी हुई है। इलाके में सबमर्सिबल पम्प भी नहीं हैं। दूर-दराज से पानी लाना पड़ता है।
–सचिन साहू

नगर निगम व जलकल विभाग के अधिकारी यहां की परेशानी को लेकर संजीदा नहीं हैं। इसकी वजह से निवासी परेशान हैं।
–अर्चना साहू

पीएम मोदी परिवारवादी नहीं, राष्ट्रवादी हैं: प्रहलाद

रुद्रपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परिवारवादी नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रवादी हैं। यदि वह परिवारवाद को बढ़ावा देने वाले होते तो मैं भी आज किसी बड़े उद्योग या कारखाने का मालिक होता, ना कि राशन की दुकान चलाता। रामलीला मैदान में रविवार को अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे प्रधानमंत्री के छोटे भाई प्रहलाद मोदी लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा नरेंद्र मोदी किसी को भी व्यक्तिगत रूप से फायदा नहीं पहुंचाते हैं, लेकिन लोग उनसे जुड़कर और मोदी शब्द का इस्तेमाल कर स्वयं को फायदा पहुंचा सकते हैं। ब्यूरो

प्रो. साहू बने जनरल सेक्रेट्री

अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय परिषद के जनरल सेक्रेट्री पद पर लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. डीआर साहू निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी प्रो. जगन कराडे को लगभग 200 मतों से पराजित किया।

नूतन राठौर : फिरोजाबाद

एआईएमआईएम की मशरूर फातिमा को 42,392 मतों से हराया। राजनीति में नई। एमबीए। दिल्ली में एनजीओ। पिता मंगल सिंह राठौर अरसे तक भाजपा के महानगर अध्यक्ष रहे।।

हासिल किए 99.94 परसेंटाइल और शर...

टाइम मैनेजमेंट ने दिलाई सफलता

मैं इस समय इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आइईटी) से बीटेक इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष में हूं। मैने कैट में तीनों सेक्शन को अच्छे ढंग से तैयार किया। मैथ्स, डाटा इंटरप्रिटेशन, लॉजिकल रीजनिंग के साथ-साथ इंग्लिश पर भी अच्छी पकड़ बनाई। सारे विषय को बराबर महत्व दें और कभी भी कोई सवाल न आए तो घबराए और उलझे नहीं। बल्कि कूल माइंड के साथ जो सवाल आ रहा है उसे हल करें फिर बाद में उसका उत्तर दें। टाइम मैनेजमेंट का जीवन में बहुत महत्व है। मेरे पिता डॉ. नील कमल व मां डॉ. नीता दोनों पेशे से डॉक्टर हैं और मूलरूप से मैं बदायूं की रहने वाली हूं। भविष्य में मैं फाइनेंस के क्षेत्र में ...

बहुत अच्छा लग रहा है, इतने बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनकर। देश-विदेश के आए मेहमानों को अपनी संस्कृति से रूबरू कराना बहुत अच्छा रहा। सरकार लोक कलाओं के प्रति रुझान दिखा रही है। यह हम लोक कलाकारों के लिए अच्छी खबर है।
गीता साहू, लख...।

साहू समाज के मेधावियों का सम्मान

गांधी भवन में आयोजित भारतीय तैलिक साहू महासभा की बैठक में बच्चों का हुआ सम्मान

जासं, लखनऊः यूपी बोर्ड व सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में 70 फीसद से अधिक अंक पाने वाले प्रदेश के 118 विद्यार्थियों को साहू समाज ने रविवार को सम्मानित किया। सम्मान समारोह में समाज के आइएएस व आइपीएस अफसरों ने मेधावियों को कॅरियर चुनने के टिप्स दिए।

भारतीय तिलक साहू राठौर महासभा की ओर से गांधी भवन परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदेश के विभिन्न जिलों के मेधावियों का जमावड़ा हुआ। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद रामनरायन साहू ने होनहार छात्रों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ आइएएस धीरज साहू ने कहा कि लक्ष्य तय कर आगे बढ़े तो सफलता अवश्य मिलेगी। आइआरएस लल्लन कुमार, आइएएस सुरेश कुमार, आइएएस शैलेष कुमार, आइपीएस आशुतोष कुमार व विशेष न्यायाधीश अरुण कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेधावियों का हौसला बढ़ाया। इससे पहले संगठन अध्यक्ष राम औतार साहू व मीडिया प्रभारी राजेश सा... आदि ने अतिथियों का अभिवादन कि...

प्रो. संदीप साहू

... बढ़ जाती है।

कोर्स के आयोजक प्रो. संदीप साहू ने बताया कि 45 साल की आयु की बाद सर्जरी के लिए आने वाले 30 फीसद से अधिक लोगों में हाई बीपी, डायबिटीज, अस्थमा, फैटी लिवर डिजीज, लिपिड प्रोफाइल में गड़बडी, एनीमिया सहित कई परेशानी मिलती है। इन परेशानियों का इलाज करने के बाद सर्जरी प्लान करना चाहिए। सर्जरी की इमरजेंसी है तो एनेस्थेसिया विशेषज्ञ को उस परेशानी के साथ एनेस्थेसिया देने ... करना चाहिए। इससे

11 हिन्दुस्तान
कानपुर •शनिवार •17 जून 201...

जेईई की तैयारी ... कर बन गया ... रहा छात्र लेखक

इनसे सीखें

दिलीप सिंह | हिन्दुस्तान संवाद

प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती। यह साबित किया है 17 साल के अस्तित्व राज साहू ने। इंटर की पढ़ाई और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी के दौरान के अनुभवों की कड़ियों को अस्तित्व ने कुछ इस तरह से जोड़ा कि पूरा एक उपन्यास तैयार हो गया। नाम दिया, 'हैकिंग ए सीट आफ आईआईटी'। इसे अमेरिकी प्रकाशन संस्था किंडल पर ऑनलाइन प्रकाशित किया है। यह ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजन के किंडल स्टोर पर बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। अस्तित्व ने इसी साल इंटर की परीक्षा पास की है और कोटा से आईआईटी-जेईई की तैयारी कर रहे हैं। जेईई-मेंस में सफल हुए थे, पर उसी दौरान चिकनपॉक्स हो गया। बीमारी के दौरान ही इस उपन्यास का स्वरूप निखर कर सामने आया। अंग्रेजी भाषा की इस पुस्तक की भूमिका में लिखा गया है यह उत्साहित करने वाली है।

सपने देखने का साहस करने वालों के लिए : पुस्तक उन लोगों को समर्पित की गई है, जो सपने देखने का साहस करते हैं। उपन्यास का धरातल कोटा

हैकिंग ए सीट आफ आईआईटी व अस्तित्व राज।

आपके शहर लखनऊ में
विश्वसनीयता के प्रतीक "साहू ग्रुप"
का प्रतिष्ठान

साहू के विश्वास के साथ

SUNDAY OPEN

SAHU JEWELLERS
PRIVATE LIMITED

पहली मंजिल, साहू बिल्डिंग, श्री हनुमान मन्दिर के सामने,
हजरतगंज, लखनऊ
Phone : 0522-2202465, +91 9152692859

INTEX

शादी मुबारक ऑफर

नई जोड़ी की नई शुरुआत के लिए INTEX लाया है कुछ खास।

LED TV		
MODEL	MRP	BEST BUY
LED 5012 FHD	~~₹45,990/-~~	₹35,990/-
LED 3222	~~₹18,990/-~~	₹15,990/-
LED 4001	~~₹27,990/-~~	₹23,990/-

AIR CONDITIONER		
MODEL	MRP	BEST BUY
AC SA18CU3 (1.5Ton Copper)	~~₹45,990/-~~	₹35,990/-

WASHING MACHINE		
MODEL	MRP	BEST BUY
WMFF60SB - 6 kg	~~₹23,000/-~~	₹20,990/-
WMFT60LG - 6 kg	~~₹14,990/-~~	₹12,990/-
WMSA75AR - 7.5 kg	~~₹14,900/-~~	₹11,490/-
WMSA62DR - 6.2 kg	~~₹9,000/-~~	₹7,990/-

Images shown are for representation purpose only. The colour of the actual product may differ from that shown herein. Specifications are subject to change without notice.
All brand names and trademarks are the property of their respective owners. This product falls under E-Waste (Management) Rules, 2016. For proper disposal method, visit our website.

Terms & Conditions Apply.

Customer Care No.: 1860-208-5555 | 1500+ Service Touch Points | www.intex.in

SAHU ELECTRONICS

Ph. 05248-223505